दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-22 अंक-06 सीहोर, रविवार 16 फरवरी 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

विविध-समाचार

आप के ये तीन नेता बीजेपी में शामिल, दिल्ली में 'ट्रिपल इंजन' की सरकार बनाने की तैयारी तेज

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा हारने के बाद आम आदमी पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। आम आदमी पार्टी के तीन पार्षद शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए है। इस तरह आगामी एमसीडी मेयर चुनाव में उसकी जीत की संभावना बढ़ गई है। पार्षदों का स्वागत करते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में केंद्र, विधानसभा और नगरपालिका स्तर पर एक 'ट्रिपल इंजन' सरकार होगी। जो तीन पार्षद बीजेपी में शामिल हुए हैं उनमें अनीता बसोया (एंड्रयूज गंज), निखिल चपराना (हरि नगर) और धर्मवीर (आर के पुरम) शामिल हैं। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए पार्षद भाजपा में शामिल हुए हैं। विधानसभा चुनावों में अपनी हालिया शानदार जीत के मद्देनजर, भाजपा मेयर पद हासिल करके दिल्ली में 'ट्रिपल इंजन सरकार' पर नजर गड़ाए हुए है। भाजपा ने 70 विधानसभा सीटों में से 48 सीटें जीतकर आप को एक दशक बाद सत्ता से बाहर कर दिया।

मशहूर गायक प्रतुल मुखोपाध्याय का निधन, 82 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

कोलकाता (आरएनएस)। गायक और संगीत निर्देशक प्रतुल मुखोपाध्याय का शनिवार को कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। गायक को कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका लंबे समय से इलाज चल रहा था।

उनके इलाज के लिए एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गायक के लिए सर्वोत्तम उपचार सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से पहल की और हाल ही में उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए एसएसकेएम अस्पताल पहुंची थीं। हालांकि, लंबे समय से अस्पताल में भर्ती मुखोपाध्याय के स्वास्थ्य में सुधार नहीं था और शनिवार सुबह 10 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।संयोग से मुखोपाध्याय की मृत्यु राज्य के संगीत जगत की दो अन्य हस्तियों संध्या मुखोपाध्याय और बप्पी लाहिड़ी की पुण्यतिथि के साथ मेल खाती है। संध्या मुखोपाध्याय और बप्पी लाहिड़ी का निधन 15 फरवरी 2022 में हुआ था।

टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए भारत टेक्स 2025 में भाग लेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारत वैश्विक कपड़ा कंपनियों के लिए एक विश्वसनीय और सस्टेनेबल सोर्सिंग गंतव्य बन गया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारत टेक्स 2025 वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करेंगे।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत मंडपम में शाम करीब 4 बजे कार्यक्रम में भाग लेंगे और सभा को संबोधित करेंगे।14-17 फरवरी तक आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम पूरे टेक्सटाइल वैल्यू चेन - कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों सहित सहायक उपकरण - को एक ही छत के नीचे लाता है।

तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी तेज, मुंबई का जेल भी रखने को तैयार

नई दिल्ली,(ए.)। पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी देने की घोषणा की। राणा लंबे समय से अमेरिका की हिरासत में था। ट्रंप की घोषणा के बाद भारत सरकार ने उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज करने की बात कही है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत अब राणा के आत्मसमर्पण और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ औपचारिकताएं बाकी हैं, लेकिन दोनों एक-दूसरे के संपर्क में हैं। इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी को राणा की याचिका खारिज कर दी थी, जिससे प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कानूनी दस्तावेज और वारंट अमेरिकी अधिकारियों के साथ साझा किए हैं। अब दोनों देश प्रत्यर्पण की तारीख और अन्य औपचारिकताओं को तय करने पर काम कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही भारत सरकार से अंतिम मंजूरी मिलती है, एनआईए के अधिकारी राणा को भारत लाने के लिए अमेरिका जाएंगे। भारत लाए जाने के बाद राणा को एनआईए अदालत में पेश किया जाएगा।इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई की जेल राणा के लिए तैयार है। फडणवीस ने कहा कि हमने पहले भी राणा से ऑनलाइन पूछताछ की थी, लेकिन उसे भारत लाना जरूरी था, जिस पर अमेरिका पहले सहमत नहीं था। पीएम मोदी के हस्तक्षेप से यह संभव हो पाया है। राणा फिलहाल लॉस एंजिलिस के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में बंद है।

गौरव गोगोई की पत्नी के पाकिस्तानी संगठनों से संबंधों पर हिमंता बोले - ये पुराने और गहरे हैं

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न को पाकिस्तानी संगठन से जोड़ने वाली रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी पत्नी ने भारत की नागरिकता हासिल की है या नहीं और उन्हें अपनी पत्नी के आईएसआई के साथ जुड़े होने के आरोपों पर भी जरूर सफाई देनी चाहिए।हिमंता बिस्वा सरमा ने गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया था, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने के आरोप, युवाओं को पाकिस्तान दूतावास ले जाकर उनके विचार बदलने और कट्टरता बढ़ाने की कोशिश, पिछले 12 वर्षों से भारतीय नागरिकता न लेने का मामला -ये सभी गंभीर सवाल हैं जिनका जवाब देना जरूरी है।

धार्मिक पर्यटन की गतिविधियों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिल रहा है प्रोत्साहन : सीएम डॉ.यादव

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आस्था, श्रद्धा और धार्मिक पर्यटन के लिए किए गए आग्रह के परिणामस्वरूप सभी धार्मिक पर्व और उत्सव, उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाए जा रहे हैं। महाकुंभ के क्रम में मध्यप्रदेश के चित्रकूट धाम, उज्जैन, ओरछा, दतिया जैसे धार्मिक स्थानों पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शनार्थ पधार रहे हैं। धार्मिक पर्यटन की इन गतिविधियों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहन मिला है। उज्जैन में ही गत वर्ष 6 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पधारे। आगामी 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व आ रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावनाएं है। महाकाल लोक में श्रद्धालुओं के बढ़ रहे आवागमन को देखते हुए राज्य सरकार उनकी सुविधा के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इसी के अंतर्गत महाकाल लोक में आवागमन और दर्शन की सुगम व्यवस्था के लिए 6 द्वार विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास से जारी अपने संदेश में यह बात कही।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और प्रदेश की क्षमता का उपयोग देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। प्रदेश में आस्था, श्रद्धा से जुड़े कार्यों का भी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिससे हमें हमारी विरासत पर गर्व करने का अवसर मिले, राज्य सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को विकास गतिविधियों की सौगात निरंतर जारी रहेगी।

वन विहार, भोपाल में एशियाई सिंह को देख सकेंगे पर्यटक

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के वन विहार में एशियाटिक सिंहों के आगमन के बाद अब पर्यटकों द्वारा सिंहों को देखने की व्यवस्था प्रारंभ होने का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में वन्य प्राणी आदान-प्रदान योजना के अंतर्गत लगभग दो महीने पहले जूनागढ़, गुजरात से लाये गये एशियाटिक सिंह को भोपाल के वन विहार में क्वारेन्टाइन बाड़े से पर्यटकों के अवलोकन के लिए छोड़ दिया गया है। अब यहां आने वाले स्थानीय और देशी-विदेशी पर्यटक इनकी दहाड़ सुनने के साथ इनके विचरण का अनोखा आनंद भी ले सकेंगे।

नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ जैसी स्थिति, भारी भीड़ के चलते कई यात्री बेहोश

नई दिल्ली(आरएनएस)। रेलवे स्टेशन पर शनिवार को बड़ा हादसा हो गया. स्टेशन पर भीड़ ज्यादा होने की वजह से सफोकेशन की स्थिति बन गई थी। ऐसे में भीड़ में फंसे लोग बेहोश होने लगे. यह हादसा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 13-14 का है। हालांकि दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट प्लेटफार्म पर किसी तरह के भगदड़ से इनकार कर रही है. बताया जा रहा है कि बेहोश हुई 4 महिलाओं को उठाकर अस्पताल ले जाया गया. जानकारी के मुताबिक नई दिल्ली के प्लेटफार्म नंबर 13 पर प्रयागराज महाकुंभ जाने के लिए ट्रेन लगने वाली थी. इस ट्रेन को पकड़ने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे. इसकी वजह से प्लेटफार्म पर भारी भीड़ हो गई थी. इसकी वजह से सफोकेशन की स्थिति बन गई. बताया जा रहा है कि इस सफोकेशन की वजह से एक के बाद एक कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े. इसकी वजह से मौके पर हड़कंप मच गया. रेलवे ने भगदड़ को नकारा आनन फानन में रेलवे पुलिस ने चारों महिलाओं को उठाकर अस्पताल पहुंचाया. जहां उनकी स्थिति बेहतर बताई जा रही है. इस घटना के बाद रेलवे पुलिस ने बताया कि प्लेटफार्म पर भगदड़ जैसी कोई बात नहीं है. भीड़ अधिक होने की वजह से यह स्थिति बनी है. बता दें कि देश भर से महाकुंभ जाने वालों की भारी भीड़ हो रही है. कुछ यही स्थिति दिल्ली एनसीआर भी है. यहां से बड़ी संख्या में लोग एक पहले ही महाकुंभ जाकर डुबकी लगा चुके हैं ।

सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति में कैसे शामिल हो सकते हैं प्रधान न्यायाधीश ?

-उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा- ऐसे मानदंडों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया

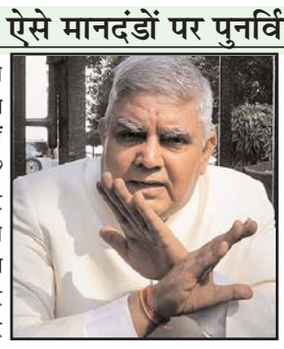

नई दिल्ली,(ए)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश, सीबीआई के निदेशक जैसे शीर्ष पदों पर नियुक्तियों में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे मानदंडों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में कहा कि उनके विचार में मूल संरचना के सिद्धांत का न्यायशास्त्रीय आधार बहस योग्य है।उन्होंने लोगों से सवाल किया कि हमारे जैसे देश में या किसी भी लोकतंत्र में, वैधानिक निर्देश के जरिये प्रधान न्यायाधीश सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्या इसके लिए कोई कानूनी दलील हो सकती है? मैं इस बात की सराहना करता हूं कि वैधानिक निर्देश इसलिए बने क्योंकि उस समय की कार्यपालिका ने न्यायिक फैसले के आगे घुटने टेक दिए थे, लेकिन अब इस पर पुनर्विचार करने का समय आ है। यह निश्चित रूप से लोकतंत्र के साथ मेल नहीं खाता है। हम भारत के प्रधान न्यायाधीश को किसी शीर्ष स्तर की नियुक्ति में कैसे शामिल कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि न्यायिक आदेश के जरिये कार्यकारी शासन एक संवैधानिक विरोधाभास है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता। धनखड़ ने कहा कि सभी संस्थानों को अपनी संवैधानिक सीमा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारें विधायिका के प्रति जवाबदेह होती हैं। वे समय-समय पर मतदाताओं के प्रति भी जवाबदेह होती हैं, लेकिन अगर कार्यकारी शासन अहंकारी हो या आउटसोर्स किया गया है, तो जवाबदेही नहीं रहेगी।

अब इस बात को लेकर फिर अपनी ही सरकार से नाराज हुए अनिल विज, बोले- चला जाऊंगा विदेश

अंबाला (आरएनएस)। हरियाणा के बिजली एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने पार्टी को नोटिस का जवाब देने के बाद एक बार फिर अपनी ही सरकार पर सवाल खड़े कर दिए है। अब अनिल विज की नाराजगी निकाय चुनाव के उम्मीदवारों को लेकर है।विज ने निकाय चुनाव और अंबाला कैंट नगर परिषद के पार्षद उम्मीदवारों की लिस्ट पर नाराजगी जताई है। लिस्ट में उनके समर्थकों के नाम काट दिए गए हैं, जिससे वह नाराज हैं। जिस कारण उनके समर्थक टिकट कटने पर विज के घर पहुंच गए थे, जहां मीटिंग में विज ने कहा कि वह लिस्ट को होल्ड करवा देंगे। इसके बाद विज ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक ई-मेल भी कर दिया है। इसमें उन्होंने लिखा कि अगर लिस्ट में उनके समर्थकों के नाम नहीं डाले गए तो वह चुनाव में उम्मीदवारों का प्रचार नहीं करेंगे और वह विदेश चले जाएंगे।

महाकुंभ में फिर लगी भयानक आग, पुलिस-प्रशासन में मचा हड़कंप, कई पंडाल जले

नई दिल्ली(आरएनएस)। महाकुंभ में एक बार फिर से आग लगने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार यह आग महाकुंभ स्थित लवकुश धाम कैंप में लगी। आग इतनी भयानक थी कि वह तेजी से फैल गई।आग लगने की खबर लगते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। आग से कई पंडाल जलने की भी सूचना है। आग लगने की जैसे ही खबर लगी तो फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके के लिए रवाना हो गईं। हालांकि आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग कैसे लगी? इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। बतादें कि ये तीसरी बार ऐसा हुआ जब महाकुंभ में आग लगी है। इससे पहले नौ फरवरी की रात सेक्टर-23 में आग लगी थी। घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत ही फायर बिग्रेड कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया था। आग लगने की वजह गैस सिलेंडर का लीक हो बताया गया था।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नोएडा सेक्टर 29 स्थित शहीद स्मारक पर 42 शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

तीसरी आंख

इंतजार करती रही दुल्हन, बारात में घोड़ी पर सवार दूल्हे को आया हार्टअटैक

नई दिल्ली (आरएनएस)। शादी की खुशियां उस समय गम में बदल गई जब घोड़ी पर सवार दूल्हे को अचानक दिल का दौरा पड़ गया। जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

यह घटना श्योपुर जिले की है, शादी की खुशी में पूरा परिवार और रिश्तेदार खुशी से झूम रहे थे, लेकिन कुछ ही क्षणों में माहौल मातम में बदल गया। घोड़ी पर सवार दूल्हे की अचानक मौत हो गई, जिससे पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। दूल्हा श्योपुर के कांग्रेस नेता योगेश जाट का भतीजा प्रदीप जाट था। प्रदीप, एनएसयूआई का पूर्व जिला अध्यक्ष भी रह चुका था, अपने विवाह समारोह में दोस्तों और परिवार के साथ नाच-गाकर आनंद ले रहा था। दूल्हे ने पारंपरिक रस्म निभाते हुए तोरण मारा और घोड़ी पर बैठकर स्टेज की ओर बढ़ा। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और कुछ ही पलों में उसने घोड़ी पर ही दम तोड़ दिया। यह देख बराती और परिजन स्तब्ध रह गए। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दुल्हन, जो सजी-धजी स्टेज पर अपने जीवनसाथी का इंतजार कर रही थी, उसे यह मालूम नहीं था कि यह इंतजार कभी खत्म नहीं होगा।

रुस से सुखोई तो अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा भारत!

नई दिल्ली (ए)। अमेरिका और रुस भारत को बड़ा बाजार मानकर चल रहे हैं। उन्हें लगता है कि भारत ही वो देश हैं जो व्यापार की अनंत संभावनाएं हैं। शायद यही वजह है कि रुस, भारत को सुखोई 57 और अमेरिका एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने के लिए ऑफर दे रहे हैं। पांचवी पीढ़ी के फाइटर एसयू-57 का ऑफर पहले रूस की तरफ से आया। अब अमेरिका ने पांचवी पीढ़ी के फाइटर एफ-35 लाइटनिंग-2 का ऑफर दिया है।पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के साझा बयान में ट्रंप ने इस बात का ऐलान करते हुए कहा कि इस साल की शुरूआत में हम भारत में मिलिट्री सेल को कई बिलियन डॉलर तक बढ़ाएंगे। हम भारत को एफ-35 स्टील्थ फाइटर बेचने की पेशकश कर रहे हैं। इस एलान के बाद से भारत को लड़ाकू विमान बेचने की होड़ लग गई है।

बेंगलुरू 'एयरो इंडिया-2025' पहली बार सुखोई-57 भारतीय आसमान में दिखा। अमेरिकी एफ-35 ने भी अपना दमखम दिखाया। ऐसा पहली बार हुआ जब दो देश अपने पांचवी पीढ़ी के फाइटर एयरक्राफ्ट को भारत पहुंचे। अब दोनों भारत को पांचवी पीढ़ी के फाइटर बेचने की रेस में है। हांलाकि अभी तक भारत ने यह रेस शुरू ही नहीं की है। सुखोई-57 बनाने वाली कंपनी रोसोबोरोनेक्सपोर्ट ने भारत को सुखोई के एक्सपोर्ट वर्जन यानी की एसयू-57 ई बेचने का ऑफर दिया है। इसमे फ्लाई वे कंडीशन, साझा उत्पादन भी शामिल है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एफ-35 के सवाल पर कहा कि 'आपको पता है कि एक प्रक्रिया है इस तरह के प्लेटफॉर्म की खरीद के लिए। अभी तक वह प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। आरएफपी यानी कि रिक्वेस्ट ऑफ प्रपोजल जारी किया जाता है। उस पर प्रतिक्रिया आती है। उनका मूल्यांकन किया जाता है। फिलहाल यह एक प्रपोजल की स्तर पर है और अभी प्रक्रिया शुरू नही हुई है। एफ-35 लाइटनिंग-2 एक अत्याधुनिक पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ फाइटर विमान है। अमेरीका की लॉकहीड मार्टिन ने इसे विकसित किया है। यह फाइटर अलग अलग तरह के कांबेट मिशनों को अंजाम देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

सुनीता विलियम्स की वापसी की उलटी गिनती शुरु, लेकिन धरती पर कदम रखते ही घेर लेंगी ये मुसीबतें

नई दिल्ली (आरएनएस)। आखिरकार वह घड़ी आ गई है जिसका कई लोगों को बेसब्री से इंतजार था। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की धरती पर वापसी की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर आठ महीने का लंबा समय बिताने के बाद, सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर अब पृथ्वी की ओर वापस यात्रा करने के लिए तैयार हैं।

यह वापसी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए चुनौतियों से भरी होगी। सबसे बड़ी चुनौती पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के साथ तालमेल बिठाना है। लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद, पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल शरीर पर एक मजबूत प्रभाव डालेगा।

बुच विल्मोर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, गुरुत्वाकर्षण बहुत मुश्किल है। जब हम वापस आते हैं, तो यह हमें नीचे खींचता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति का हो रहा है प्रसार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वसुधैव कुटुंबकम का संदेश वैश्विक मंच पर देशों और संस्कृतियों के मध्य शांति और सौहार्द्र करेगा स्थापित

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा श्री महाकाल की नगरी, भारत एवं विश्व का एक प्रमुख आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र उज्जैन, यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 आयोजन की मेजबानी कर रहा है। यह भूमि वेदों, पुराणों और योग परंपरा से समृद्ध रही है, और आज हम सभी यहां इसी परंपरा को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने हेतु एकत्रित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह दौर युद्ध का नहीं, शांति का है। उनका यह विचार आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता को इंगित करता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह युग संभवत: सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण रहा है, जहाँ युद्ध, गृहयुद्ध, आतंकवाद और आपसी वैमनस्यता ने विश्व को तनावग्रस्त बना दिया है। हमें विचार करना होगा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कैसी दुनिया सौंप रहे हैं- एक विभाजित, हिंसा-ग्रस्त समाज या शांति, समरसता और आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत एक संसार सनातनी मूल्यों से प्रेरित यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव जैसे आयोजन संपूर्ण मानवता के

मुख्यमंत्री डॉ. यादव यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 में हुए सम्मिलित

कल्याण एवं विश्व शांति के लिए एक प्रभावी मंच हो सकती हैं। यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव एकात्म चेतना के माध्यम से शांति की संस्कृति की स्थापना होगी। इस मंच पर 21 से अधिक देशों के विद्वान, संत, मनीषी, आध्यात्मिक शिक्षक, कोच और विचारक एकत्रित हुए हैं, जो इस विषय पर अपने विचार साझा कर रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात कालिदास अकादमी उज्जैन में आयोजित यूनाइटेड कॉन्शसनेस कॉनक्लेव- 2025 में संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचमहाभूत से बना है हमारा शरीर। प्रकृति में जो पांच तत्व मौजूद हैं, वही हमारे शरीर में भी विद्यमान है। इस सृष्टि मे जीवन की उत्पत्ति सर्वप्रथम जल में ही हुई थी, इसीलिए जल के प्रति हम सब जीवों में एक स्वाभाविक सी ललक रहती है। जल हमें सुकून देता है। स्नान से हमें मानसिक शांति प्राप्त होती है साथ ही शरीर में स्फूर्ति का संचार होता है। जल स्रोत नदी, समुद्र, तालाब जैसे हमें शुरू से ही आकर्षित करते आ रहे हैं। आज कार्यक्रम में संसार के विभिन्न जल स्रोतों से जल प्राप्त हुआ है। जल विश्व को सनातन संस्कृति की परंपरा अनुसार एक सूत्र में पिरोता है।

मिठी गोबिंदराम स्कूल में छात्रों को दिए गए परीक्षा में सफल होने के टिप्स

भोपाल,(आरएनएस)। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में 9वीं और 11वीं के छात्रों के लिए परीक्षा की तैयारी को लेकर विशेष अभिप्रेरणात्मक सत्र का आयोजन किया गया। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के इस कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष सिद्धभाऊ ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। सिद्धभाऊ ने कहा कि परीक्षा जीवन की कसौटी है, जो आत्मबल को मजबूत करती है। छात्रों को समय प्रबंधन और योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाई करने की सलाह दी। साथ ही बड़ों का सम्मान, माता-पिता के प्रति कृतज्ञता और अच्छी संगति के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, मां भारती और संत हिरदाराम साहिब के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन से हुआ। इस मौके पर संस्था सचिव घनश्याम बूलचंदानी, प्राचार्य अजय बहादुर सिंह और शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम में छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह भी दी गई। विशेष रूप से मौसमी फल-सब्जियों और अंकुरित अनाज के सेवन पर जोर दिया। अंकुरित गेहूं में मौजूद विटामिन-बी कॉम्पलेक्स और विटामिन-ई के फायदों के बारे में भी बताया, जो मस्तिष्क के विकास और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि नियमित एवं व्यवस्थित अध्ययन के लिए आवश्यक है कि आधुनिक तकनीकि साधनों का प्रयोग त्याग कर अध्ययन के प्रति पूर्ण निष्ठा का भाव बनाए रखें। रोज प्रात: 4 बजे तक उठकर नियमित रूप से अध्ययन करने से एकाग्रता में वृद्धि होती है। इसके साथ ही वातावरण में शांति व्याप्त होने के कारण विषयवस्तु की ग्रहणशीलता में बढ़ोत्तरी होती है।

भोपाल (संदीप पंडा)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग से नेशनल गेम्स में मध्यप्रदेश के परफॉर्मेंस के संबंध में ओलंपिक संघ के पदाधिकारी ने साथ भेंट की।

संत श्री सेवालाल जी महाराज ने शिक्षा, प्रकृति और समाज में सामाजिक समरता का भाव पैदा किया : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा खरगौन में संत श्री सेवालाल जी महाराज के 286वें जन्मोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि संत श्री सेवालाल जी महाराज ने शिक्षा, प्रकृति और समाज में सामाजिक समरसता का भाव पैदा किया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि संत जी ने बंजारा समाज के उत्थान के लिये कई महत्वपूर्ण काम किये हैं। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि संत जी ने बंजारा समाज में शिक्षा और ज्ञान के महत्व पर बल दिया। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिये काम किया और महिलाओं को अधिकार दिलाये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संत जी के विचार और आदर्श आज भी हमें प्रेरित करते हैं। संत श्री सेवालाल जी महाराज की जयंती पर हमें उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिये। हमें उनके विचारों को अपनाना चाहिये और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिये काम करना चाहिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संत जी ने प्रत्येक समाज को प्रकृति से जोड़ा।

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की अनूठी पहल : प्रयागराज गंगाजल वितरण का किया शुभारंभ

नरेला विधानसभा के सभी वार्डों में घर-घर किया गया नि:शुल्क गंगाजल का वितरण

भोपाल (ए.)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की अनूठी पहल उन्होंने शनिवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र में प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए पवित्र गंगाजल के वितरण का शुभारंभ किया। मुख्य कार्यक्रम अशोका गार्डन स्थित नर्मदा परिक्रमा पार्क से प्रारंभ हुआ, जहां मंत्री श्री सारंग ने गंगाजल वितरण हेतु विशेष रूप से तैयार रथों का पूजन-अर्चन कर रवाना किया। मंत्री श्री सारंग ने वार्ड 69 के अशोका गार्डन, वार्ड 37 में द्वारका नगर एवं वार्ड 76 में पहुंचे और नागरिकों के घर-घर जाकर पवित्र गंगाजल वितरित किया। इस अभियान के अंतर्गत नरेला विधानसभा के सभी 17 वार्डों में घर-घर गंगाजल वितरण किया गया, ताकि जो श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ नहीं जा सके, वे भी इस पवित्र जल का लाभ उठा सकें।

महाकुंभ सनातन आस्था का महापर्व

इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि महाकुंभ हमारे सनातन धर्म का सबसे बड़ा और पवित्र धार्मिक आयोजन है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु देश-विदेश से आकर पुण्यलाभ अर्जित करते हैं। इस महापर्व का महत्व अनादिकाल से स्थापित है। उन्होंने कहा कि कुंभ के इस पावन अवसर पर प्रयागराज से टैंकर के माध्यम से गंगाजल मंगवाया गया है, विशेषकर उनके लिये जो प्रयागराज महाकुंभ जाने में असमर्थ हैं। इस जल को बोतलों में पैक कर घर-घर नि:शुल्क वितरित किया जा रहा है।

पहले दिन 23 हजार से अधिक घरों में हुआ गंगाजल का वितरण

'हर हर गंगे-घर घर गंगे' अभियान के तहत नरेला विधानसभा के 17 वार्डों में कार्यकर्ताओं ने बोतलों में पैक किया गया प्रयागराज महाकुंभ के गंगाजल का घर-घर वितरण किया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने गंगाजल वितरण रथ व ढोल नंगाड़ों के साथ नागरिकों के घर-घर दस्तक देकर गंगाजल वितरित किया। पहले दिन लगभग 23 हजार 635 घरों में नि:शुल्क गंगाजल पहुंचाया गया। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत नरेला विधानसभा के हर घर तक गंगाजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

मंत्री श्री सारंग का जताया आभार

इस आयोजन को लेकर नागरिकों में भारी उत्साह देखा गया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर गंगाजल का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने गंगाजल प्राप्त करने के पश्चात आरती कर इसे श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया और मंत्री श्री सारंग के प्रति आभार व्यक्त किया। अशोका गार्डन निवासी सुश्री आरती बिसेन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाकुंभ हम सभी की आस्था का महापर्व है, परंतु व्यक्तिगत कारणों से हम प्रयागराज जाने में असमर्थ थे। लेकिन अब हम घर पर ही महाकुंभ का पुण्य अर्जित कर सकेंगे।

निवेशक महाकुंभ में होगा देश-विदेश से आए उद्यमियों का समागम

भोपाल (ए.)। भारत का हृदय मध्यप्रदेश, समृद्ध अर्थव्यवस्था, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, राज्य सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों और विशेष प्रोत्साहन योजनाओं के साथ निवेश के असीमित अवसरों की उपलब्धता से देश-विदेश के उद्यमियों के लिए निवेश का प्रमुख स्थल बन गया है। देश-विदेश के उद्यमियों को निवेश के अवसरों से रूबरू कराने के उद्देश्य से राजधानी भोपाल में दो दिवसीय जीआईएस-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस महाकुंभ में दुनिया भर से आने वाले निवेशकों का समागम होगा। व्यापार और उद्योग अनुकूल माहौल बनाने के लिये प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश सभी उद्यमियों के लिए निवेश के अपार अवसर और उसके बाद दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पित है। मध्यप्रदेश पर्यटन, फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, खनन, डेयरी और खाद्य प्र-संस्करण जैसे क्षेत्रों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

बेहतर कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास की असीमित संभावनाएं

मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट प्रिपेअर्डनेस इंडेक्स में देश के शीर्ष-10 राज्यों में और विश्व बैंक द्वारा आयोजित ईज़-ऑफ-डूइंग बिज़नेस में चौथे स्थान पर है। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के प्रभाव क्षेत्र में आने से मध्यप्रदेश में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विकास के असीम अवसर उपलब्ध हैं। मजबूत रेल और सड़क नेटवर्क के अलावा राज्य में 6 व्यावसायिक एयरपोर्ट हैं, जहां से 100 से अधिक उड़ानें संचालित होती हैं। इससे यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आवागमन सुगम हुआ है।

खनिज संसाधन और औद्योगिक समृद्धि

मध्यप्रदेश में कोयला, हीरा, तांबा, लौह अयस्क और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों का भण्डार है। प्रदेश तांबा, मैंगनीज, मोलिब्डेनम और हीरे का देश का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। राज्य सरकार कृषि और खाद्य प्र-संस्करण, आईटी, आईटीईएस, पर्यटन, वस्त्र उद्योग, वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, दवाइयां एवं फार्मास्युटिकल्स और रक्षा एवं एयरोस्पेस सेक्टर पर प्रमुखता से ध्यान दे रही है। राज्य में 8 फूड पार्क, लगभग 15 मिलियन मीट्रिक टन की वेयरहाउसिंग क्षमता और 3 लाख 54 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र कवर करने वाले कोल्ड-स्टोरेज के साथ मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए एक आकर्षक निवेश स्थल बनता जा रहा है।

शिक्षा, पर्यटन और हरित क्षेत्र में अग्रणी

मध्यप्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। यहां देश भर के सबसे बड़े क्षेत्र में जैविक खेती की जाती है। भारत के कुल जैविक उत्पादन का 27त्न मध्यप्रदेश में होता है। भारत के सबसे स्वच्छ राज्य मध्यप्रदेश का इंदौर शहर लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है और भोपाल स्वच्छतम राजधानी। राज्य की बड़ी जनसंख्या इसे विशाल उपभोक्ता बाजार भी बनाती है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर

मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए 1.25 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की औद्योगिक भूमि-बैंक है। इसमें से 19,011 हेक्टेयर क्षेत्र उद्योगों के लिए पहले ही विकसित किए जा चुके हैं। राज्य में 76 विकसित, 19 विकासाधीन और 13 प्रस्तावित भूमि-बैंक हैं, जो 5 ग्रोथ सेंटर्स में फैले 79 भूखंडों में वितरित हैं। राज्य में 6 प्रमुख ड्राई इनलैंड कंटेनर डिपो हैं, इनकी वेयरहाउसिंग क्षमता 240 लाख मीट्रिक टन है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कालिदास संस्कृति अकादमी में संयुक्त चेतना वैश्विक सम्मेलन में पुस्तक वैदिक पेरेंटिंग का विमोचन किया।

सिगरेट देने से मना करने पर कार से आये युवको ने रेस्टोरेंट में की तोड़फोड़

-संचालक को मारपीट कर किया घायल

भोपाल(आरएनएस)। शहर के रातीबड़ थाना इलाके में रात के समय रेस्टोरेंट में आये दो युवको ने संचालक से सिगरेट देने को कहा। जब संचालक ने उस मना किया तब आरोपी उससे विवाद करने लगे और उसके साथ मारपीट करते हुए रेस्टोरेंट के काउंटर में भी तोड़फोड़ कर डाली। थाना पुलिस के अनुसार नीलबड स्थित नील सागर कॉलोनी में रहने वाले अभिषेक त्यागी पिता राजेश त्यागी (32) ने अपनी शिकायत में बताया की वह इलाके में ही नीलम फैमिली नाम से रेस्टोरेंट संचालित करते है। 14-15 फरवरी की दरम्यानी रात करीब 1 बजे वह रेस्टोरेंट बंद कर घर जाने की तैयारी में थे। वह सामान समेट रहे थे, उसी समय कार नबंर एमपी-04-ईसी-5397 से दो युवक आए और उनसे सिगरेट देने को कहा। राजेश ने उस समय सिगरेट देने से इंकार कर दिया। इस पर आरोपी उनपर सिगरेट देने का दबाव बनाते हुए गाली-गलौज करने लगे। जब फरियादी ने उन्हें गालियां देने से मना करते हुए वहॉ से जाने को कहा तब गुस्साये युवको ने उन पर हमला करते हुए लातो-घूंसो से मारपीट करनी शुरु कर दी। मारपीट के बीच ही आरोपियो ने रेस्टोरेंट का काउंटर भी तोड़ दिया।

विविध-समाचार

सड़क पार करते समय ट्रक ने व्यक्ति को कुचला, मौत

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के एक व्यक्ति की राजगढ़ जिले के पीलूखेड़ी में में शनिवार सुबह 9:30 बजे सड़क हादसे में मौत हो गई। वह भोपाल ग्लू केमिकल फैक्ट्री में काम करते थे। सुबह भोपाल स्थित घर से फैक्ट्री के लिए रवाना हुए थे। बस से फैक्ट्री के पास उतरने के बाद सड़क पार कर रहे थे। तभी एक ट्रक ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।मृतक का नाम वासिद खान (58) निवासी जिंसी, जहांगीराबाद है। छोटे भाई अरबाज खान ने बताया कि वासिद पांच बेटियों के पिता थे। तीन की शादी कर चुके थे, जबकि दो अभी पढ़ाई कर रही हैं। सूचना मिलते ही परिजन पीलूखेड़ी रवाना हुए। वहां से शव भोपाल लाया जा चुका है। हमीदिया अस्पताल में शव का पीएम कराया जा रहा है।आरोपी चालक हादसे के बाद में ट्रक को मौके पर छोड़कर भाग गया। स्थानीय लोगों ने वासिद को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

कोलार से कुंभ स्नान के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

भोपाल(आरएनएस)। कोलार रोड स्थित एक संस्था ने श्रद्धालुओं को कुंभ स्नान के लिए वॉल्वो बस द्वारा प्रयागराज की निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था की है। संस्था प्रमुख कुणाल भारद्वाज ने बताया कि यात्रा में श्रद्धालुओं के आवागमन, रहने और भोजन की सभी व्यवस्थाएं संस्था द्वारा की जाएंगी।यात्रा की शुरुआत से पहले कोलार के विधायक और संस्था के संरक्षक रामेश्वर शर्मा ने वीडियो कॉल के माध्यम से सभी श्रद्धालुओं से बातचीत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल के अध्यक्ष प्रदीप पाटीदार, मंडल महामंत्री राज शर्मा और विधायक प्रतिनिधि अनिकेत पांडे ने भगवा ध्वज दिखाकर बस को रवाना किया। यह पहल धार्मिक यात्रा को सुगम और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बागसेवनिया इलाके में फंदे से लटका मिला वनकर्मी का शव

भोपाल (आरएनएस)। बागसेवनिया इलाके में स्थित अहमदपुर नर्सरी में शनिवार दोपहर वनकर्मी का शव मिला है। शव वाच टावर पर बनी झोपड़ी में फांसी के फंदे पर लटका था। परिजनों ने उनकी गुमशुदगी दर्ज करा रखी थी। पुलिस 2 दिनों से उसकी तलाश कर रही थी। एसआई गंगाराम वर्मा ने बताया विष्णुप्रसाद पाराशर (58) जनता नगर करोंद में रहते थे। वह फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के स्थायी कर्मचारी थे। बतौर ड्राइवर उनकी पदस्थापना थी। गुरुवार को घर से बिना बताए निकले थे। गुरुवार की रात को 9 बजे आखिरी बार उनकी पत्नी से बातचीत हुई थी। हालांकि, इस बातचीत में उन्होंने किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। पत्नी से बातचीत के बाद से ही उनका मोबाइल फोन बंद था। शुक्रवार सुबह तक जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने बाग सेवनिया थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की और सीसीटीवी कमरों के फुटेज खंगाले। कहीं भी फुटेज में इस बात की पुष्टि नहीं हुई कि विष्णु प्रसाद नर्सरी से बाहर निकले हों। पुलिस ने शनिवार को एक बार फिर नर्सरी में सर्चिंग की। तलाशी में वाच टॉवर पर बनी झोपड़ी को चेक किया गया। जहां से बदबू आ रही थी। इसके अंदर शव फंदे पर लटका था। बॉडी करीब 24 से ज्यादा पुरानी थी। पीएम के बाद बॉडी को परिजनों को सौंप दिया है।

प्रदेश में बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन 16 फरवरी को

भोपाल (ए)। प्रदेश के समस्त जिलों में संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा का आयोजन रविवार 16 फरवरी 2025 को किया जा रहा है। परीक्षा में लगभग 17 लाख से अधिक नवसाक्षर शामिल होंगे। केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के निरक्षर व्यक्तियों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान कर साक्षर करने के लिये उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने के लिये 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ऐसे निरक्षर को साक्षर करने के लिये उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।यूनेस्को की परिभाषा अनुसार जिन लोगों में मुद्रित एवं लिखित सामग्री का उपयोग करके पहचानने, समझने, व्याख्या करने, बनाने, संवाद करने और गणना करने की क्षमता नहीं है, उन्हें साक्षर करने के लिये देशभर में यह कार्यक्रम वर्ष-2022 से वर्ष-2027 तक संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में वर्ष में 2 बार बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाती है। परीक्षा में शामिल होने वाले नवसाक्षर वह शिक्षार्थी होते हैं, जिन्हें सर्वे के माध्यम से चिन्हांकित किया गया हो और उन्होंने राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा आईपीसीएल पद्धति से तैयार की गई उल्लास-अक्षर पोथी प्रवेशिका से अध्ययन कार्य किया हो। उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके लिये प्रदेश में गठित राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा मोबाइल ऐप और पोर्टल भी विकसित किया गया है। कार्यक्रम में डोर-टू-डोर सर्वे एवं साक्षरता कक्षाओं की मॉनिटरिंग जियो टैग के माध्यम से की जा रही है रविवार 16 फरवरी को होने वाली परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों के स्पॉट मूल्यांकन के बाद रिजल्ट तथा अन्य विवरणों की ऑनलाइन एंट्री भी मोबाइल ऐप तथा पोर्टल पर दर्ज की जायेगी। इस कार्यक्रम में अभी तक 4 मूल्यांकन परीक्षाओं का आयोजन किया जा चुका है। साक्षरता से जुड़े पाठ्यक्रमों को वीडियो के जरिये व्हाट्स-ऐप ग्रुप, यू-ट्यूब और पोर्टल के माध्यम से पहुँचाया गया है। नवभारत साक्षरता परीक्षा गाँव, कस्बों और नगरों में निरक्षरों के घरों के नजदीकी स्कूलों में आयोजित की जा रही है। परीक्षा के लिये राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा परीक्षा से संबंधित समस्त तैयारियाँ की गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिलों के कलेक्टर व जिलों के विभागीय अधिकारियों को परीक्षा के आयोजन के संबंध में निर्देश जारी किए है। बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा में उत्तीर्ण नव साक्षरों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान (एनआईओएस) द्वारा साक्षरता परीक्षा का प्रमाण-पत्र भी जारी किया जायेगा।

बरात में घोड़ी पर सवार दूल्हे की अचानक मौत, दुल्हन करती रही इंतजार; शादी की खुशियां मातम में बदली

श्योपुर (ए.)। श्योपुर में एक शादी की रौनक पलभर में गम में बदल गई, दूल्हे की घोड़ी पर सवार होते ही अचानक मौत हो गई। यह घटना श्योपुर जिले की है, शादी की खुशी में पूरा परिवार और रिश्तेदार खुशी से झूम रहे थे, लेकिन कुछ ही क्षणों में माहौल मातम में बदल गया। घोड़ी पर सवार दूल्हे की अचानक मौत हो गई, जिससे पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

बता दें, श्योपुर के कांग्रेस नेता योगेश जाट का भतीजा प्रदीप जाट की शादी का जश्न मनाया जा रहा था। प्रदीप, एनएसयूआई का पूर्व जिला अध्यक्ष भी रह चुका था, अपने विवाह समारोह में दोस्तों और परिवार के साथ नाच-गाकर आनंद ले रहा था।

दूल्हे ने पारंपरिक रस्म निभाते हुए तोरण मारा और घोड़ी पर बैठकर स्टेज की ओर बढ़ा। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और कुछ ही पलों में उसने घोड़ी पर ही दम तोड़ दिया। यह देख बराती और परिजन स्तब्ध रह गए। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शादी की सभी रस्में अधूरी रह गईं

दुल्हन, जो सजी-धजी स्टेज पर अपने जीवनसाथी का इंतजार कर रही थी, उसे यह मालूम नहीं था कि यह इंतजार कभी खत्म नहीं होगा। शादी की रौनक मातम में बदल गई और खुशियों से भरे घर में रोने की आवाजें गूंजने लगीं। दीप की अचानक मौत से हर कोई स्तब्ध था। शादी की सभी रस्में अधूरी रह गईं और परिवार गहरे शोक में डूब गया।

इंदौर में दर्दनाक सड़क हादसा, कुंभ स्नान को निकले श्रद्धालु की मौत, कई घायल

इंदौर (ए.)। गुजरात से प्रयागराज कुंभ स्नान के लिए निकले दो परिवारों की यात्रा एक दर्दनाक सड़क हादसे में बदल गई। इंदौर की सीमा में उनके टेम्पो ट्रेवलर को गलत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में अहमदाबाद निवासी 39 वर्षीय जयकिशन पिता तरुणभाई की मौके पर ही मौत हो गई। जयकिशन अडानी इंटरप्राइजेस, अहमदाबाद में नौकरी करता था। टेम्पो ट्रेवलर में दो परिवारों के कुल 14 यात्री सवार थे, जिनमें से कई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही चंदन नगर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

छह लेन सड़क का काम इंदौर की तरफ से शुरू, सिंहस्थ के समय मिलेगी ट्रैफिक में राहत

इंदौर (ए.)। इंदौर से उज्जैन के बीच 50 किलोमीटर लंबाई में छह लेन सड़क का काम शुरू हो चुका है। अब इंदौर शहर की सीमा में भी छह लेन के हिसाब से सड़क के बेस के लिए काम चल रहा है। सांवेर के समीप पुरानी पुलिया को भी चौड़ा करने के लिए शेड लगा दिए गए हैं।

ज्यादातर काम सड़क निर्माण कंपनी रात के समय कर रही है, क्योंकि तब ट्रैफिक कम रहता है। इंदौर में अरविंदो अस्पताल से सड़क बनेगी, क्योंकि यहां तक छह लेन ब्रिज की भुजा उतरेगी। छह लेन सड़क बनने के बाद 50 किलोमीटर की दूरी 40 से 50 मिनट में तय हो जाएगी। फोरलेन को छह लेन करने में सरकार को ज्यादा परेशानी नहीं आएगी, क्योंकि दस साल पहले जब सड़क फोरलेन की गई थी। तब छह लेन के हिसाब से जमीनों का अधिगृहण कर लिया गया था। चार गांवों में बाधक निर्माणों को तोड़ा जाएगा।

महाकाल गेट तक बनेगी सड़क

यह सड़क उज्जैन में महाकाल गेट तक बनेगी। फिलहाल सांवेर, रिंगनोद, निनौरा में काम तेजी से चल रहा है। उज्जैन की सीमा पर भी फोरलेन के दोनों तरफ एक-एक लेन के लिए खुदाई कर जमीन को समतल किया जा रहा है। यहां मुरम भी बिछाई जा रही है।

ढाई साल में काम पूरा होगा

इस सड़क के निर्माण पर डेढ़ हजार करोड़ रुपये सरकार खर्च कर रही है। इस मार्ग पर तीन बड़े ब्रिज और छह अंडरपास बनाए जाएंगे। चार माह पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन किया था। इस प्रोजेक्ट का निर्माण वर्ष 2028 में होगा। उसके बाद उज्जैन में सिंहस्थ मेला लगेगा। तब इंदौर से उज्जैन के लिए एक लाख से अधिक वाहनों की आवाजाही होगी। उस ट्रैफिक के लिए छह लेन सड़क मददगार साबित होगी। अभी इंदौर से उज्जैन के बीच 25 हजार वाहनों की आवाजाही होती है। इस सड़क के अलावा पीडब्ल्यूडी हातोद, चंद्रवतीगंज से उज्जैन तक फोरलेन सड़क बनाएगा। यह सड़क चिंतामण गणेश मंदिर तक बनेगी। उसके निर्माण से उज्जैन के लिए एक और रूट मिल जाएगा।

सिंधिया की जनसुनवाई में झोलाछाप डॉक्टरों की शिकायत, एक्टिव हुआ स्वास्थ्य महकमा; एक क्लीनिक को किया गया सील

शिवपुरी (ए.)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा इन दिनों अपने संसदीय क्षेत्र के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में लोगों की समस्या सुनने के लिए जनसुनवाई की जा रही है। इसी दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की बीते दिनों मानस भवन में हुई जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों की शिकायत की गई थी। इसी शिकायत के आधार पर शिवपुरी का स्वास्थ्य महकमा एक्टिव हुआ और इस शिकायत के बाद तीन झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई के लिए दल निकला और एक क्लीनिक को सील कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय ऋषिश्वर ने बताया कि जनसुनवाई में हुई शिकायत के आधार पर शिवपुरी शहर के कोलियों के मंदिर के पास घोसीपुरा कमलागंज में यश क्लीनिक पर छापामार कार्रवाई कर इसे सील कर दिया गया है।

यश क्लीनिक पर छापा, तालाबंदी की गई

स्वास्थ्य विभाग ने सिंधिया द्वारा मार्क की गई शिकायत पर जब मौका मुआयना किया तो संचालित अस्पताल फर्जी पाया गया। जहां न तो कोई प्रमाणीकरण था और न ही कोई दस्तावेज। जिसके चलते क्लीनिक को सील करने की कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग ने की। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशानुसार स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने झोलाछापों पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिकंजा कसा जा रहा है।

क्यों और कैसे भड़की थी सिंगरौली में हिंसा, 2 मौतों के बाद जमकर हुआ था बवालज्चश्मदीदों ने क्या कुछ कहा; जानें

सिंगरौली (ए.)। सिंगरौली के रजमिलान सरई मुख्य मार्ग के अमिलिया घाटी पर शुक्रवार देर रात को कोयले से लोड हाइवा और बाइक में जोरदार भिड़ंत के बाद बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद वहां हंगामा मच गया था।

गुस्साए लोगों ने हाइवे पर करीब 11 वाहनों में तोड़फोड़ करते हुए आग लगा दी। इस हिंसा से केवल एक वाहन नहीं जला, बल्कि 11 वाहन जलकर राख हो गए। उनमें 6 बसें भी शामिल थी। हिंसा में एक थाने के टीआई भी जख्मी हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के चश्मदीद के अनुसार ऐसा हादसा उन्होंने आज तक नहीं देखा।

जिस जगह पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया, वहां के एक स्थानीय दुकानदार ने अमर उजाला को हादसे के वक्त का मंजर बयां किया।

उसने बताया कि अमिलिया घाटी में कोल परिवहन कर रहे हाइवा वाहन ने बाइक सवार को कुचल दिया, जिससे बाइक सवार खाई में गिर गए और हाइवा भी अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा।

इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि हाइवा चालक मौके से फारर हो गया। घटना के बाद गुस्साये लोगों की भीड़ ने जमकर हंगामा शुरू कर दिया था। करीब 150 से ज्यादा लोग एक जगह इकठ्ठा हुए और कंपनी से कर्मचारियों को लेकर आ रही बसों और कुछ अन्य वाहनों पर पथराव शुरू कर दिया। तोड़फोड़ करते हुए वाहनों में आग लगा दिया था।

महू उप जेल में खुला भ्रष्टाचार का राज, जेलर का कैदियों संग बर्बरता का वीडियो वायरल, बड़ा एक्शन

इंदौर (ए.)। महू उप जेल में फैली अराजकता और कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले मामले ने अब जांच का रूप ले लिया है। कैदी राजेंद्र चौहान द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद जेल प्रशासन में हलचल मच गई है। इस मामले में उप जेलर मनोज चौरसिया को निलंबित कर दिया गया है, लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जेल के अंदर यह वीडियो कैसे बना, किसने रिकॉर्ड किया, और मोबाइल जेल के अंदर कैसे पहुंचा? पूरे मामले की गहन जांच एसडीएम को सौंपी गई है। महू उप जेल में सात साल तक सजा काट चुके एक पूर्व कैदी से भी पूछताछ की जाएगी, जिसने अपनी आपबीती सुनाकर इस भ्रष्टाचार का खुलासा किया। एडीएम रोशन राय को दिए गए शिकायती आवेदन में कैदी राजेंद्र चौहान ने न केवल लिखित शिकायत दी।

व्यापार समाचार

वैश्विक मछली उत्पादन में 8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की केंद्र सरकार ने शनिवार को जानकारी दी कि भारत वैश्विक मछली उत्पादन में लगभग 8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है और देश ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 60,523.89 करोड़ रुपये मूल्य के 17,81,602 मीट्रिक टन (एमटी) समुद्री खाद्य पदार्थों का निर्यात किया है।

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अनुसार, निर्यात मूल्य में 2003-04 के 609.95 करोड़ रुपये की शानदार वृद्धि देखी गई है।

2004 से 2024 की अवधि में ऐसे मील के पत्थर रहे हैं, जिन्होंने वैश्विक मत्स्य पालन और जलीय कृषि में भारत की स्थिति को मजबूत किया है।

केंद्रीय बजट 2025-26 में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए 2,703.67 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक कुल वार्षिक बजटीय समर्थन प्रस्तावित किया गया है।

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने कहा कि यह जलीय कृषि और समुद्री खाद्य निर्यात में भारत की उपलब्धि का प्रमाण है।

देश में मछली उत्पादन 2003-04 में 63.99 लाख टन और 2013-14 में 95.79 लाख टन से बढ़कर 2023-24 में 184.02 लाख टन हो गया, जो 10 वर्षों (2014-24) में 88.23 लाख टन की वृद्धि दर्ज करता है, जबकि 2004-14 में 31.80 लाख टन की वृद्धि हुई थी।

अंतरदेशीय और जलीय कृषि मछली उत्पादन में 2004-14 में 26.78 लाख टन की तुलना में 2014-24 में 77.71 लाख टन की जबरदस्त वृद्धि हासिल की गई।

आयकर विभाग की वेबसाइट पर अपलोड हुआ आयकर विधेयक, मौजूदा कानून से कर सकते हैं मिलान

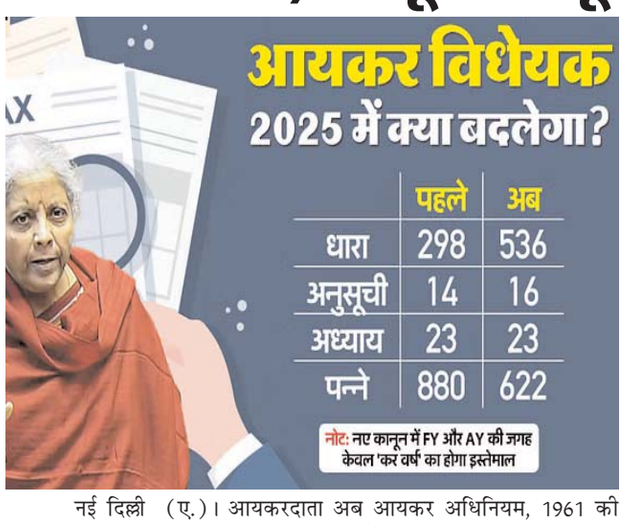

नई दिल्ली (ए.)। आयकरदाता अब आयकर अधिनियम, 1961 की धाराओं का मिलान आयकर विधेयक, 2025 के संबंधित खंडों से कर सकते हैं। आयकर विभाग ने आयकर कानून 1961 की नए आयकर विधेयक की धाराओं के साथ मैपिंग कर दी है औरर आयकरदाता आयकर विभाग के पोर्टल पर जाकर इनका मिलान कर सकते हैं। सरलीकृत आयकर विधेयक 2025 को बीती 13 फरवरी को ही लोकसभा में पेश किया गया था।

विधेयक में हुए हैं ये बदलाव

विधेयक के पारित होने के बाद आयकर विधेयक 2025, 64 साल पुराने आयकर कानून की जगह लेगा। दरअसल समय के साथ आयकर कानून में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही थी। आयकर विधेयक 2025 में 2.6 लाख शब्द हैं, जबकि आयकर कानून में शब्दों की संख्या 5.12 लाख है। नए विधेयक में 536 धाराएं हैं, जबकि मौजूदा कानून में 819 प्रभावी धाराएं हैं। नए विधेयक में 23 अध्याय हैं, जबकि मौजूदा कानून में 47 अध्याय हैं। विधेयक में 57 सारणी हैं जबकि मौजूदा आयकर कानून में 18 सारणियां हैं। नए विधेयक में आयकरदाताओं को कर की गणना करने में आसानी होगी। मौजूदा कानून की तुलना में नए विधेयक में 1200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं।

14 फरवरी को एक्स पर साझा पोस्ट में आयकर विभाग ने बताया कि करदाता ड्रॉप डाउन मेनू से आयकर अधिनियम, 1961 की धारा का चयन कर सकता है और उसके अनुसार, आयकर विधेयक में संबंधित खंड दिखाई देंगे। इसके अलावा, करदाताओं की सुविधा के लिए सारणीबद्ध प्रारूप में अनुभागवार मैपिंग की गई है। विधेयक में छोटे वाक्यों का उपयोग किया गया है और तालिकाओं और सूत्रों के उपयोग से इसे पाठकों के लिए आसान बनाया गया है। टीडीएस, अनुमानित कराधान, वेतन संबंधित प्रावधानों के लिए तालिकाएं प्रदान की गई हैं।

विधेयक में 1 अप्रैल से शुरू होने वाली 12 महीने की अवधि के रूप में 'कर वर्ष' की नई अवधारणा पेश की गई है। यह आकलन और पिछले वर्ष की वर्तमान अवधारणा की जगह लेगा। वर्तमान में, पिछले वर्ष (PY) यानी अप्रैल 2024 से मार्च 2025 में अर्जित आय का आकलन आकलन वर्ष (AY) 2025-26 में किया जाएगा। विधेयक 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। विधेयक को अभी लोकसभा की एक प्रवर समिति द्वारा जांचा जाएगा और संसद द्वारा मंजूरी दी जाएगी।

ग्लोबल ट्रेड डेवलपमेंट पर टिका है भारतीय शेयर बाजार, मजबूत कारोबार पर ध्यान देने का समय : विशेषज्ञ

मुंबई (आरएनएस)। निफ्टी और सेंसेक्स को इस हफ्ते उच्च स्तरों पर रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ा, जिससे मुनाफावसूली हुई, क्योंकि वैश्विक मैक्रो अनिश्चितताओं और मिश्रित आय ने निवेशकों को सतर्क रखा। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर बाजार की दिशा ग्लोबल ट्रेड डेवलपमेंट, आय परिणामों और सेक्टोरल मोमेंटम पर निर्भर करेगी।बीते सप्ताह के दौरान, भारतीय इक्विटी बाजारों में सभी सूचकांकों में बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी 50 इंडेक्स 5 फरवरी से लगभग 4 प्रतिशत गिर गया है, जो अब सितंबर 2024 से अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से लगभग 13 प्रतिशत नीचे है।ब्रॉडर मार्केट में भी काफी दबाव देखा गया है, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई है और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट आई है।स्मॉलकैप इंडेक्स ने मंदी के दौर में प्रवेश किया है, जो दिसंबर 2024 के अपने पीक से 20 प्रतिशत से अधिक नीचे कारोबार कर रहा है। कैपिटलमाइंड रिसर्च के कृष्णा अप्पाला ने कहा कि ये गिरावट अमेरिकी टैरिफ नीतियों और धीमी होती कॉर्पोरेट आय को लेकर चिंताओं से उपजी है, जिसके कारण खास तौर पर स्मॉल-कैप शेयरों में बड़े पैमाने पर बिकवाली हुई है। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में लगातार आठवें सत्र में गिरावट का रुख जारी रहा। क्लोजिंग बेल पर, सेंसेक्स करीब 200 अंक गिरकर 75,939 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 102 अंक या 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,929 पर बंद हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार में उतार-चढ़ाव एक निरंतर विशेषता है, लेकिन यह अवसर भी पैदा करता है। शॉर्ट-टर्म उतार-चढ़ाव पर आवेशशील प्रतिक्रिया देने के बजाय, निवेशकों को लॉन्ग-टर्म ग्रोथ और स्ट्रक्चरल अनुकूलता वाले मजबूत व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बाजार अपनी चुनौतियों का एक सेट पेश करता है, लेकिन चुनिंदा अवसर उभर रहे हैं। हालांकि, मैक्रोइकॉनोमिक अनुकूलता बरकरार है।

हाल ही में आयकर राहत और आरबीआई की दरों में कटौती से आने वाली तिमाहियों में खपत और बचत को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

अप्पाला ने कहा कि हालांकि वैल्यूएशन अभी भी सस्ता नहीं है, लेकिन इसमें नरमी आई है, जिससे निवेशकों के लिए चुनिंदा अवसर पैदा हुए हैं।

एंजल वन के ओशो कृष्णन ने कहा कि सप्ताह के मध्य में उम्मीद की एक किरण दिखी, क्योंकि बेंचमार्क सूचकांकों ने एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक सीमा के पास स्थिरता पाने का प्रयास किया। हालांकि, यह आशावाद अल्पकालिक था, क्योंकि सप्ताह के अंतिम सत्र में बाजार में मौजूद मंदी की भावना को रेखांकित किया गया।

सब्जियों की महंगाई 20 फीसदी घटकर 8.35% पर पहुंची, ऊर्जा की लागत में आएगी नरमी

नई दिल्ली (ए.)। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति में तेज गिरावट आई है। जनवरी में यह घटकर 5.88 प्रतिशत रह गई, जो दिसंबर, 2024 में 8.47 प्रतिशत थी। इसी दौरान सब्जियों की महंगाई में भी भारी गिरावट रही और यह घटकर 8.35 प्रतिशत रही। दिसंबर, 2024 में यह 28.65 प्रतिशत थी। इस वजह से जनवरी में थोक महंगाई की दर घटकर 2.31 फीसदी पर आ गई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, आलू की महंगाई 74.28 प्रतिशत के उच्च स्तर पर रही। प्याज की महंगाई जनवरी में बढ़कर 28.33 प्रतिशत हो गई।

उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें हो सकती हैं प्रभावित

ईंधन तथा बिजली श्रेणी में जनवरी में मुद्रास्फीति 2.78 प्रतिशत घटी जबकि दिसंबर में 3.79 प्रतिशत थी। विनिर्मित वस्तुओं में मुद्रास्फीति दिसंबर, 2024 के 2.14 प्रतिशत की तुलना में जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत हो गई। इससे पता चलता है कि उत्पादन लागत में कुछ बढ़ोतरी हुई है, जो संभावित रूप से उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को आने वाले समय में प्रभावित कर सकती है।

ऊर्जा की लागत में आएगी नरमी

ईंधन और बिजली श्रेणी में राहत से ऊर्जा लागत में थोड़ी नरमी आने की संभावना है, जो उद्योगों और आम जनता के लिए राहत वाली खबर है। अंडा, मांस और मछली श्रेणी में मुद्रास्फीति दिसंबर के 5.43 प्रतिशत से घटकर 3.56 प्रतिशत रह गई।

खुदरा महंगाई में भी आई थी गिरावट

इससे पहले, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर 4.31 प्रतिशत हो गई थी। इससे यह संकेत मिलता है कि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में स्थिरता आ रही है। इक्रा के वरिष्ठ अर्थशास्त्री राहुल अग्रवाल ने कहा, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में थोक मुद्रास्फीति औसतन 2.4 प्रतिशत रहेगी और वित्त वर्ष 2025-26 में तीन प्रतिशत तक रहेगी।

भारत में कम होंगे इस व्हिस्की के दाम, ट्रंप की आलोचना के बीच भारत ने घटाया आयात शुल्क

नई दिल्ली (ए.)। भारत ने विदेश से आयात होने वाली बर्बन व्हिस्की पर आयात शुल्क कम करने का फैसला किया है। सरकार का यह कदम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर ज्यादा शुल्क लगाने का आरोप लगा चुके हैं। भारत ने 13 फरवरी को बर्बन व्हिस्की पर आयात शुल्क घटाने का फैसला किया है।

भारत में शराब ब्रांड्स पर लगता है भारी आयात शुल्क

सरकार ने बर्बन व्हिस्की पर आयात शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 100 प्रतिशत करने का फैसला किया है। अब इस व्हिस्की पर 50 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी लगेगी और 50 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जिसके बाद इस पर लगने वाला कुल शुल्क 100 प्रतिशत होगा। हालांकि सरकार ने अन्य शराब उत्पादों के आयात शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया है और उन पर पहले की तरह ही 150 प्रतिशत शुल्क लगना जारी रहेगा। सरकार के इस कदम से अमेरिका से होने वाले व्हिस्की के आयात में फायदा होगा। भारत में लगने वाले भारी आयात शुल्क की कई स्पिरिट कंपनियां पहले भी आलोचना कर चुकी हैं।

क्या होता है टैरिफ

टैरिफ एक सीमा शुल्क या टैक्स है, जो विदेशों से आने वाले सामान पर विभिन्न देशों की सरकारें लगाती हैं। इस टैरिफ के असर से विदेशी सामान की कीमत घरेलू बाजार में बढ़ जाती है। इससे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलता है और साथ ही सरकार को टैरिफ से कमाई भी होती है। इसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों और उद्योगों को बचाना होता है। अमेरिका का विभिन्न देशों के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार घाटा है और इस व्यापार घाटे को कम करने के लिए ही ट्रंप भारी भरकम टैरिफ लगाने की बात कर रहे हैं।

घरेलू शेयर बाजार के लिए ये सप्ताह भी नहीं रहा अच्छा

8 कारोबारी सत्र में निवेशकों के डूबे 27 लाख करोड़

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो सप्ताह से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है. पिछले कारोबारी सत्र में भी बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ. बीते आठ कारोबारी सत्र में बाजार में गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले आठ कारोबारी सत्र के दौरान भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के 27 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गए.

बीएसई सेंसेक्स के आंकड़ों के मुताबिक, 5 फरवरी 2025 को कुल बाजार पूंजीकरण 42,80,3611.66 करोड़ रुपये था. जो लगातार आठ कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद शुक्रवार को गिरकर 40,09,9281.11 करोड़ रुपये पर आ गया. यानी इस दौरान निवेशकों भारतीय बाजार में 27 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है. इसके साथ ही पिछले आठ सत्रों में बीएसई सेंसेक्स सूचकांक में भी करीब 3 प्रतिशत की गिरावट आई है.

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

कांग्रेस हमेशा बैकफुट पर रहेगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का समापन करते हुए राज्य सभा में अपनी सरकार द्वारा किए गए कायरे की फेहरिस्त पुरानी तर्ज पर एक बार फिर प्रस्तुत की कि किस तरह उनकी आर्थिक नीति आगे बढ़ रही है और किस तरह उनकी सरकार के प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबों की सीमा लांघकर मध्यवर्गीय दहलीज पर पहुंचे हैं।

उनके भाषण का एक प्रमुख स्वर वही था जो प्राय: सुनाई पड़ता है। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने फिर कहा कि उनकी प्राथमिकता परिवार है जबकि भाजपा की प्राथमिकता राष्ट्र है। कांग्रेस की कोई भी नीतियां परिवार विशेष को केंद्र में रखकर बनती हैं तो उनकी नीतियां राष्ट्र को केंद्र में रखकर बनती है।

मोदी के अनुसार कांग्रेस का राज अत्यधिक धीमी आर्थिक प्रगति का राज था, जबकि एनडीए का वर्तमान शासन तीव्र आर्थिक प्रगति का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की शासन तुष्टिकरण का शासन था जबकि एनडीए का शासन संतुष्टीकरण का है। यूं तो मोदी के भाषण में कुछ भी नया नहीं था। कांग्रेस के परिवारवाद का जो आरोप लगाते रहे हैं, उसकी ही पुनर्पुष्टि थी। विशेष बात यह थी कि उनके प्रभावी वक्तव्य के आगे कांग्रेस की निरीहता ही उजागर हो रही थी।

अगर कांग्रेस का गांधी परिवार की पृष्ठभूमि और उसके गौरवशाली अतीत का मूल्यांकन करें तो मोदी का प्रहार कहीं से भी अतिवादी प्रतीत नहीं होता है। कल्पना करिए कि अगर सोनिया गांधी राजीव गांधी की पत्नी और इंदिरा गांधी की बहू नहीं होती तो क्या सचमुच में उनमें वह राजनीतिक क्षमता और भारतीय समाज को समझने की प्रतिभा थी कि वह कांग्रेस जैसी विशाल पार्टी की अध्यक्ष बनती।

उससे आगे क्या राहुल गांधी सचमुच उतने क्षमतावान राजनीतिज्ञ हैं, जितना कांग्रेस के शीर्ष नेता के रूप में अथवा विपक्षी दल के रूप में होना चाहिए। जाहिर है उनकी हैसियत परिवार प्रदत्त हैसियत है जो प्राय: कांग्रेस को दुविधा में डालती रहती है। मोदी के प्रहारों से कांग्रेस तभी बच सकती है जब वह अपने भीतर गुणात्मक और रचनात्मक परिवर्तन करे अन्यथा परिवारवाद का जो हथियार मोदी के हाथ में है वह हमेशा चलता रहेगा और कांग्रेस हमेशा बैकफुट पर रहेगी।

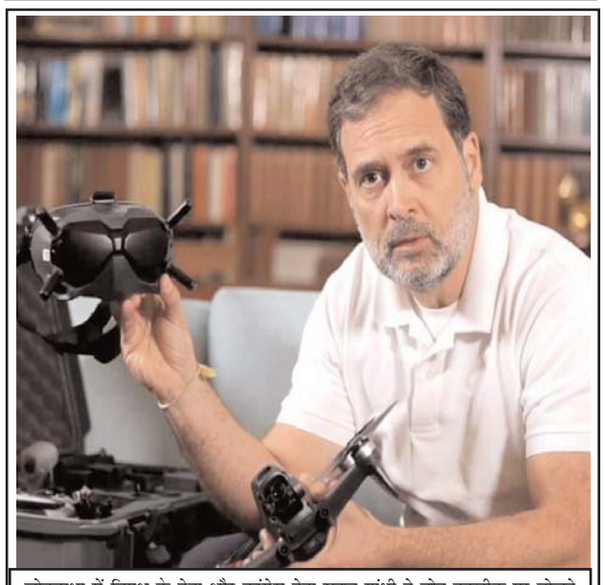

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ड्रोन तकनीक पर बोलते हुए बयानबाजी से हटकर मजबूत उत्पादन आधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा तो है, लेकिन तकनीकी उन्नति को आगे बढ़ाने और नई दिल्ली में युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने के लिए औद्योगिक ताकत जरूरी है।

भारत टेक्स 2025 भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच

मिथिलेश्वर ठाकुर

भारतीय कपड़ा उद्योग हमेशा से देश की अर्थव्यवस्था, परंपरा, संस्कृति और विरासत की आधारशिला रहा है। यह कृषि के बाद सबसे ज़्यादा रोज़गार सृजन करने वाले क्षेत्रों में से एक है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद और निर्यात में इसका महत्वपूर्ण योगदान है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विशेष तौर पर वैश्विक बाज़ार में, कई कारणों से इसने अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया। खासतौर पर भारतीय परिधान उद्योग, जो कपड़ा मूल्य श्रृंखला का सबसे महत्वपूर्ण घटक है, ने अनुभव किया कि वह महत्वपूर्ण बाज़ारों में टैरिफ़ लाभ लेने वाले कुछ कम विकसित और अल्प-विकसित देशों के समक्ष लागत प्रतिस्पर्धा की दौड़ में पिछड़ गया और इस तरह अपनी वास्तविक क्षमता के अनुरूप प्रगति नहीं कर पाया।

इस बात को ध्यान में रखते हुए वैश्विक आयात पैटर्न के साथ उत्पाद की पेशकश को फिर से जोड़ने के लिए संपूर्ण पुनर्गठन और शीघ्र क्षमता वृद्धि की आवश्यकता थी। सरकार की पीएलआई और पीएममित्र पहलों द्वारा इसका काफी हद तक समाधान निकाला गया। आत्मविश्वास से परिपूर्ण उभरता भारत अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ने और पूरी ताकत झोंकने के लिए तैयार था। इसी दृष्टिकोण ने 2024 में भारत टेक्स के विचार को जन्म दिया। बहुत ही कम समय में भारत टेक्स एक परिवर्तनकारी मंच के रूप में सामने आया और वह नवाचार, सहयोग तथा वैश्विक पहुंच को बढ़ावा दे रहा है। इस प्रमुख आयोजन का दूसरा संस्करण भारत टेक्स 2025 इस विरासत को जारी रखने और भारत के कपड़ा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। फरवरी 2024 में आयोजित पहले भारत टेक्स की शानदार सफलता के साथ आगामी संस्करण अधिक व्यापक, बेहतर और ज्यादा प्रभावशाली होने का वादा करता है। आइए, जानें कि भारत टेक्स 2025 भारत के कपड़ा उद्योग के लिए कितना महत्वपूर्ण है। भारत टेक्स 2025 अत्याधुनिक तकनीकों, व्यावसायिक अवसरों और रणनीतिक साझेदारियों को सामने लाने के लिए तैयार है। यह दुनिया भर के हितधारकों के लिए एक समन्वय केन्द्र के रूप में काम करेगा। भारत और विदेश के निर्माता, निर्यातक, डिज़ाइनर और नीति निर्माता विचारों का आदान-प्रदान करने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक साथ

मिलकर कार्य करेंगे। पारंपरिक हथकरघा से लेकर उन्नत तकनीकी वस्त्रों तक भारत की विविध वस्त्र पेशकशों को प्रदर्शित करने के लिए यह सबसे उपयुक्त मंच होगा।

उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों की उपस्थिति वैश्विक कपड़ा बाजार में एक विश्वसनीय, स्थिर और भरोसेमंद भागीदार के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगी। इस आयोजन के दौरान किए गए समझौता ज्ञापन और रणनीतिक साझेदारी इस क्षेत्र में विदेशी निवेश, संयुक्त उपक्रम और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगी। स्थायित्व, वैश्विक कपड़ा उद्योग में एक केंद्रीय विषय बन चुका है और भारत टेक्स 2025 पर्यावरण के अनुकूल कार्य प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। कस्तूरी कॉटन ब्रांड घरेलू जैविक कपास को बढ़ावा दे रहा है और यह भारत की दीर्घकालिक फाइबर खोज में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा अपने पूरे वैभव और उत्साह के साथ इसको प्रदर्शित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जैविक कपड़े, पुनर्चक्रित सामग्री और ऊर्जा-कुशल उत्पादन तकनीकों सहित स्थायी नवाचारों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। भारत टेक्स में हरित और भारत की डीकार्बोनाइजेशन एवं शुद्ध शून्य उत्सर्जन पर राष्ट्रीय रणनीति निकटता से जुड़ी हुई है। जैसे-जैसे भारत उन्नत और आवश्यक वस्त्रों में अपने नेतृत्व को आगे बढ़ा रहा है, सतत मंडप व्यवसायों को उनके संचालन और आपूर्ति श्रृंखलाओं में निरन्तरता को एकीकृत करने के लिए एक प्रारूप प्रदान किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान ज्ञान सत्र नीति समर्थन के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेंगे, जो उद्योग प्रमुखों और नीति निर्माताओं को महत्वपूर्ण मुद्दों और विचारों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाएंगे। इस दौरान वैश्विक अनुपालन की उभरती जटिल वास्तुकला और लक्षित मार्ग दिखाने के तरीकों और साधनों पर भी विचार-विमर्श होगा। इन चर्चाओं के मुख्य निष्कर्ष भविष्य की नीति रूपरेखाओं को प्रभावित करेंगे, जिससे लंबे समय में कपड़ा उद्योग को लाभ होगा। भारत टेक्स 2025 भारतीय कपड़ा निर्माताओं को न केवल नवीनतम वैश्विक रुझानों से अवगत होने के लिए प्रोत्साहित करेगा, बल्कि उन्हें दूसरों से आगे रहने में भी सहायता प्रदान करेगा।

जैसे-जैसे कपड़ा उद्योग 4.0 को अपना रहा है, भारत टेक्स अत्याधुनिक मशीनरी, स्मार्ट विनिर्माण समाधान और डिजिटल उपकरणों के प्रदर्शन के माध्यम से वस्त्रों के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी की भूमिका को उजागर करेगा। फैशन पूर्वानुमान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए ब्लॉकचेन तकनीक के अलावा अन्य मुख्य आकर्षण होंगे।

भारत टेक्स 2025 भारतीय कपड़ा निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और खुदरा विक्रेताओं से जुड़ने के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करेगा। समर्पित बी2बी मैचमेकिंग सत्र और निर्यात-केंद्रित सेमिनार निर्यातकों को अपने उत्पादों को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने, गैर-पारंपरिक बाजारों के लिए दरवाजे खोलने और वर्तमान बाजारों का विस्तार करने में सक्षम बनाएंगे।

भारत टेक्स 2025 सबसे उपयुक्त रूप से मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड और वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल के विचार को आत्मसात करते हुए आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना को प्रदर्शित करता है। भविष्य में भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के प्रति आशान्वित है, इसलिए कपड़ा क्षेत्र इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत टेक्स 2025, अपने व्यापक एजेंडे और दृष्टिकोण के साथ, इस परिवर्तन का उत्प्रेरक साक्षी बनने और भारत को एक वैश्विक कपड़ा महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है।

लेखक महासचिव, परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) है।

इजरायल को विनाश तांडव जारी रखने की हरी झंडी

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलिस्तीन में तबाही का शिकार गाजा के पुनर्निर्माण का जो प्रस्ताव रखा है, उसने दुनिया के विभिन्न देशों को चौंका दिया है।

पिछले पंद्रह महीनों से गाजा में जारी विनाश लीला में इन दिनों कुछ दिनों के लिए विराम लगा है तथा कुछ बंधकों की रिहाई का क्रम जारी है। आशा की जा रही थी कि शांति का यह सीमित समय एक दूरगामी संघर्ष विराम का रूप ले सकता है। इसी समय ट्रंप ने गाजा का अधिग्रहण कर वहां तथाकथित पुनर्निर्माण का प्रस्ताव पेश किया है।

उन्होंने इजरायल के युद्ध पीपासु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पहले विदेशी नेता के रूप में व्हाइट हाउस आमंत्रित किया। इस मुलाकात के दौरान ही उन्होंने कहा कि अमेरिका चाहता है कि वह गाजा को अपने नियंत्रण लेकर उसे एक पर्यटन स्थल' के रूप में विकसित करे। पचास हजार लोगों की मौत और लाखों लोगों के घायल होने वाले क्षेत्र को पर्यटन स्थल बनाने की बात कितनी मानवीय और अव्यावहारिक है, इसे लेकर सभी लोग स्तब्ध हैं। पूरा गाजा क्षेत्र खंडहर में तब्दील हो चुका है। सीमित संघर्ष विराम के दौरान लाखों लोग उत्तरी गाजा में अपने खंडहर बने मकानों को संजोने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे समय किसी भी विश्व नेता से यह आशा थी कि वह मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पीड़ित लोगों को नई शुरुआत करने का संदेश दे तथा यथासंभव मदद करे। लेकिन ट्रंप ने ठीक इसके विपरीत काम किया। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के वारंट के बावजूद नेतन्याहू अमेरिका के सम्मानित अतिथि बने। अपने मेजबान से उन्होंने गाजा के बारे में जो कुछ सुना वैसा कहने का दुस्साहस वह खुद नहीं पर पाए।

वास्तव में गाजा में पुनर्निर्माण का सुझाव पिछले वर्ष ट्रंप के दामाद जरेड कुशनर ने दिया था। उस समय गाजा में नरसंहार अपने प्रारंभिक दौर में था। धीरे-धीरे तबाही बढ़ती गयी। आज जब गाजा कई मायनों में कब्रिस्तान का रूप ले चुका है, उस समय गाजा को पर्यटन स्थल बनाने का सुझाव कोई जिम्मेदार राजनेता नहीं दे सकता। आश्चर्य की बात यह है कि चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप और उनके समर्थकों ने ऐसे बयान दिये थे कि नया प्रशासन दुनिया में संघर्ष शुरू करने की बजाय युद्ध का अंत करने को प्राथमिकता देगा। यह आशा बनी थी कि ट्रंप प्रशासन रूस और यूक्रेन पर दबाव डालकर वहां तीन साल से जारी युद्ध समाप्त कराने की कोशिश करेगा। इसी तरह फिलिस्तीन में इजरायल और हमास को भी संघर्ष समाप्त करने के लिए बाध्य किया जाएगा। लेकिन अब लगता है कि ट्रंप ने इजरायल को विनाश तांडव जारी रखने की हरी झंडी दिखा दी है। इतना ही नहीं, वह गाजा में सीधे रूप से अमेरिका की दखलंदाजी की भूमिका तैयार कर रहे हैं। ट्रंप की योजना यह है कि गाजा के लाखों लोगों को वहां से बेदखल कर पड़ोसी देशों मिस्र और जॉर्डन भेजा जाए।

गाजा क्षेत्र में मलवे की सफाई की जाए तथा दुनिया भर से निवेश आकर्षित कर वहां नये भवनों का निर्माण किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप मूलत: रियल एस्टेट कारोबारी रहे हैं। लगता है कि वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के नेता की बजाय अपने पुराने कारोबार की मानसिकता से काम कर रहे हैं। गाजा के पुनर्निर्माण में करीब एक दशक का समय लगेगा। क्या इतने समय तक कोई देश लाखों शरणार्थियों को अपने यहां आश्रय देने का बोझ उठाने के लिए तैयार होगा। फिलहाल तो मिस्र और जॉर्डन, दोनों ने फिलिस्तीनियों को अपने यहां आश्रय देने का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया है। चिंताजनक पहलू यह भी है कि ट्रंप ने खुल कर यह नहीं कहा है कि पुनर्निर्माण के बाद सभी फिलिस्तीनी लोगों को उनके अपने मूल स्थान पर बसाया जाएगा।ट्रंप का कहना है कि गाजा एक ऐसा मुख्य स्थल बन जाएगा जहां दुनिया भर के लोग आकर रहेंगे। अमेरिका और इजरायल के पुराने रवैये को देखते हुए अनुमान लगाया जा सकता है कि नये गाजा में वास्तव में इजरायल के नागरिकों का ही बोलबाला हो जाएगा। पुनर्निर्माण की योजना बिना सैनिक मौजूदगी के संभव नहीं लगती। आशंका इस बात की है कि फिलिस्तीन कहीं अमेरिका के लिए नया वियतनाम न बन जाए।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ख़ास काम बन जाने से आपका मनोबल बढ़ेगा। आज किसी भी प्रकार का इन्वेस्टमेंट करते समय अपने बजट का ध्यान रखें। इस राशि के जो लोग जॉब करते हैं उनकी तरक्की के योग बन रहे हैं, साथ ही आपका स्थान परिवर्तन भी हो सकता हैं।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप ज्यादा समय एकांत में बिताना पसंद करेंगे। आपकी बनाई गयी योजना आपके बिजनेस के लिए अच्छी साबित होगी। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी। ऑफिस के उच्चधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, बिगड़े काम भी बन जायेंगे। आज आप कुछ नये विचारों पर भी काम करेंगे। कुल मिलाकर आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप पिछली गलतियों से कुछ नया सीखकर आगे बढ़ेंगे। आज आपका दिन कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की वजह से व्यस्त रहेगा। नए कार्यों को लेकर आपकी उत्सुकता बढ़ेगी। आपको आज धैर्य से काम लेने की जरूरत है और इसका लाभ आप आने वाले समय में देखेंगे। आज आपको मनचाही वस्तु मिलेगी जिससे आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बहुत ही शानदार रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें आज सफलता मिलेगी। साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा। कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको अपने हर काम को तय समय में बांटकर करने की जरूरत है। समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से चीज़ें अच्छे से पूरी होंगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे। आज आपके घर का माहौल ठीक बना रहेगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको उचित समय की पहचान करनी होगी। सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। बच्चों की जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। आपका दोस्त आपको काम करने के लिये कह सकता है, आप उनके काम में सहयोग करेंगे। प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है।

तुला राशि:आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी दोस्त से बात-बात में ही आपको अच्छा काम मिल सकता है। इससे आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आपके व्यवहार से लोग प्रभावित हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों को भी साथ में ले जा सकते हैं। कामकाजी महिलाओं को अपने काम के लिये किसी संस्था से सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि:आज का दिन आपके लिए फेबरेबल रहेगा। आपके जीवन में किसी नये कार्य की शुरुआत हो सकती है। जो बच्चे घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी काम के लिये प्रोत्साहन मिल सकता है। आज आपको धन लाभ होगा। आज आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का मन बनायेंगे। आज आपके घर मेहमान आयेंगे, जिससे आपको दिन भर के शेड्यूल में चेंजेस करने पड़ सकते हैं। माताएं अपने बच्चों को कुछ अच्छा बनाकर खिलाएंगी। आपकी भौतिक सुख सुविधाएँ बनी रहेगी। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस करती हैं उनके लिए लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने अनुभव का सही इस्तेमाल करके किसी रुके काम को पूरा करने में सफल होंगे। आज घर के जरूरी कर्यों को पूरा करने में जीवनसाथी का सहयोग करेंगे। आज आप ऑनलाइन नया बिजनेस शुरू करने का प्लान बनायेंगे। आज आपको धैर्य से काम लेने की जरूरत है।

कुंभ राशि: आज आपका दिन शुभ रहेगा। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। संतान को करियर में बड़ी सफलता मिलाने के योग बने हुए है। आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है। अगर आप नई नौकरी की तलाश में हैं, तो बड़े भाई-बहनों की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है।

मीन राशि:आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी काम में दूसरों की बातों को सर्वोपरि न रखकर अपने आप पर विश्वास करें तो लाभ अवश्य मिलेगा। किसी इम्पोर्टेन्ट काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। इस राशि की जो महिलाएं ऑनलाइन बिजनेस स्टार्ट करना चाहती है उनके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला हैं। आपका काफी दिनों से सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा।

दोस्ती इम्तिहान लेती है-मेक इन इंडिया बनाम अमेरिकी फर्स्ट

एडवोकेट किशन सनमुखदास गोंदिया - वैश्विक स्तरपर हर देश की नज़रें 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शपथ ग्रहण करने से लेकर उनके द्वारा करीब रोज़ लिए जा रहे निर्णयों पर लगी हुईहै,जिससे पूरी दुनियाँ अपने नफे नुकसानों के आकलन पर मंथन करने लग गई है, परंतु अब पूरी दुनियाँ की निगाहें भारतीय समय अनुसार गुरुवार अर्ली मॉर्निंग 2.30 बजे भारतीय पीएम अमेरिकीराष्ट्रपति के मुलाकात पर लगी रही जिसमें सभी की नजरे टैरिफ, अवैध आवर्ज़न अवैध प्रवासी भारतीयों की वापसी, चीन मुद्दा,रक्षा, नई टेक्नोलॉजी सहित अनेक मुद्दों पर बनी हुई थी, हालांकि भारत ने अमेरिकी दौरे से पूर्व ही अपने मैक्सिमम अमेरिकी टैरिफ को 150 पेर्सेंट से घटकर 70 पेर्सेंट कर दिए ताकि बातचीत की सकारात्मकता की गुंजाइश को बल मिले भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों मेंशामिल रहा है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में साल1990-91तक औसतटैरिफ 125 पेर्सेंट तक था। उदारीकरण के बाद यह कम होता चला गया।2024 में भारत का एवरेज टैरिफ रेट 11.66 पेर्सेंट था। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद भारत सरकार ने टैरिफ रेट में बदलाव किया।द हिन्दू की रिपोर्ट के अनुसार भारत सरकार ने टैरिफ के 150 पर्सेंट,125 पर्सेंट और 100 पर्सेंट वाली दरों को खत्म कर दिया है। अब भारत में सबसे ज्यादा टैरिफ रेट 70 पर्सेंट है। भारत में लग्जरी कार पर 125 पर्सेंट टैरिफ था,अब यह 70 पर्सेंट कर दिया गया है। ऐसे में साल 2025 में भारत का एवरेज टैरिफ रेट घटकर 10.65 पर्सेंट हो चुका है। आमतौर पर सभी देश टैरिफ लगाते हैं। किसी देश में इसका रेट कम और किसी में ज्यादा हो सकता है। हालांकि, बाकी देशों से तुलना की जाए तो भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है। संभवत लाखों लोगों के साथ मैं खुद भी शुक्रवार अर्ली मॉर्निंग 2:30 बजे से 6 बजे तक संचार माध्यमों टीवी चैनलों से जुड़ा रहा इन दोनों महाशक्तियों के बीच हुई मुलाकात को लगातार देखता फिर सुबह 6 के दोनों की संयुक्त प्रेस वार्ता के बाद यह आर्टिकल तैयार किया हूं। इसके पूर्व हम देखें कि पीएम अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी पहुंचे,जहां उनका ज़बरदस्त स्वागत हुआ, इसके बाद पीएम की पहली आधिकारिक मुलाकात अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया विभाग की निदेशक तुलसी गबार्ड से हुई,जो खुद को भगवान श्री कृष्ण की भक्त कहती हैं। फ़िर पीएम ने गुरुवार रात करीब 9 बजे अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज से मुलाकात की। इस बैठक में

भारतीय विदेश मंत्री और एनएसए भी मौजूद रहे। इसके बाद पीएम इलॉन मस्क से मिले। मस्क अपने परिवार के साथ ब्लेयर हाउस पहुंचे थे। मस्क ने पीएम को तोहफे में मेमेंटो (स्मृतिचिह्न) दिया। दोनों के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। मस्क से मुलाकात के बाद पीएम ने भारतवंशी बिजनेसमैन विवेक रामास्वामी से करीब आधा घंटा मुलाकात की।मुलाकात के बाद रामास्वामी ने कहा कि पीएम का स्वागत करना उनके लिए सम्मान की बात थी।चूँकि विश्व की नज़रे भारत अमेरिका प्रमुखों की देर रात्रि हुई मुलाकात पर लगी हुई थी, अवैध अप्रवासी मुद्दा व्यापार तकनीकी बात टैरिफ साहित अनेक एमओयू जिसके दूरगामी परिणाम निकलने की पूरी संभावना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, दोस्ती इम्तिहान लेती है, मेक इन इंडिया बनाम अमेरिकी फर्स्ट।

साथियों बात अगर हम गुरुवार सुबह 6 बजे दोनों वैश्विक नेताओं की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की करें तो इस दौरान जब पूछा गया कि ट्रंप और मोदी में कौन टफ नेगोशिएटर (वार्ताकार) है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कह दिया कि इस मामले में भारतीय प्रधानमंत्री बहुत आगे हैं। ट्रंप ने कहा,वह (पीएम मोदी) मुझसे कहीं ज्यादा टफ नेगोशिएयर हैं और मुझसे कहीं बेहतर वार्ताकार भी हैं। इसमें कोई मुकाबला ही नहीं है। पीएम मोदी ने कहा,जो लोग दूसरे देशों में अवैध रूप से रहते हैं, उन्हें वहां रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। जहां तक भारत और अमेरिका का सवाल है, हमने हमेशा कहा है कि जो लोग सत्यापित हैं और वास्तव में भारत के नागरिक हैं - अगर वे अवैध रूप से अमेरिका में रहते हैं, तो भारत उन्हें वापस लेने के लिए तैयार है। लेकिन यह हमारे लिए यहीं तक सीमित नहीं है। ये सामान्य परिवारों के लोग हैं। उन्हें बड़े सपने दिखाए जाते हैं और उनमें से अधिकांश ऐसे होते हैं जिन्हें गुमराह करके यहां लाया जाता है। इसलिए, हमें मानव तस्करी की इस पूरी व्यवस्था पर हमला करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका और भारत को मिलकर इस तरह के पारिस्थितिकी तंत्र को जड़ से खत्म करने का प्रयास करना चाहिए ताकि मानव तस्करी खत्म हो जाए। हमारी बड़ी लड़ाई उसपूरे पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ है और हमें विश्वास है कि राष्ट्रपति ट्रंप इस पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने में भारत का पूरा सहयोग करेंगे। वाइट हाउस में पीएम ने कहा,आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और अमेरिका एक साथ खड़े रहेंगे। हम इस बात पर सहमत हैं कि सीमा पार आतंकवाद के उन्मूलन के लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक है। मैं राष्ट्रपति का आभारी हूं कि उन्होंने 2008 में भारत में नरसंहार करने वाले अपराधी तहव्वुर राणा को अब भारत के हवाले करने का निर्णय किया है। भारत की अदालतें उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगी।अमेरिकी राष्ट्रपति से जब पूछा गया,अगर आप भारत के साथ व्यापार पर सख्त रुख अपनाएंगे तो चीन से कैसे लड़ेंगे तो उन्होंने कहा, हम किसी को भी हराने के लिए बहुत अच्छी स्थिति में हैं, लेकिन हम किसी को हराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, हम वाकई अच्छा काम करना चाहते हैं। हमने अमेरिकी लोगों के लिए शानदार काम किया है। हमारे चार साल बहुत अच्छे रहे और हमें एक भयानक प्रशासन ने बाधित किया, अब, हम इसे फिर से एक साथ ला रहे हैं। मुझे लगता है कि यह पहले की तुलना में बहुत मजबूत होने जा रहा है या पहले की तुलना में और भी ज्यादा मजबूत होने जा रहा है। बांग्लादेश मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा,इसमें डीप स्टेट की कोई भी भूमिका नहीं है,यह कुछ ऐसा है जिस पर पीएम मोदी लंबे समय से काम कर रहे हैं, मैं बांग्लादेश को पीएम पर छोड़ देता हूं। आगे कहा हम व्यापार के बारे में बात करने जा रहे हैं, हम कई चीजों के बारे में बात करने जा रहे हैं, लेकिन आपसे मिलना वास्तव में सम्मान की बात है, आप लंबे समय से मेरे मित्र हैं।शानदार काम करने के लिए बधाई।पीएम और मैं ऊर्जा पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर भी पहुंचे, जो यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका भारत को तेल और प्राकृतिक गैस का अग्रणी आपूर्तिकर्ता बने, उम्मीद है कि नंबर 1आपूर्तिकर्ता बने। अमेरिकी परमाणु उद्योग के लिए अभूतपूर्व विकास में, भारत अमेरिकी परमाणु प्रौद्योगिकी का स्वागत करने के लिए कानूनों में सुधार भी कर रहा है,जो भारतीय बाजार में उच्चतम स्तर पर है।

लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने की तैयारी, फडणवीस सरकार ने बनाई हाई लेवल कमेटी

मुम्बई (ए.)। महाराष्ट्र सरकार ने जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद के मामलों के खिलाफ नए कानून के कानूनी पहलुओं का अध्ययन करने के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति में महिला एवं बाल कल्याण, अल्पसंख्यक मामले, कानून और न्यायपालिका, सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभागों के सचिव और गृह विभाग के उप सचिव शामिल हैं। सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने पिछले दिनों कहा था कि उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में बनाए गए समान कानूनों के बाद, महाराष्ट्र जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ एक कानून लाने की योजना बना रहा है। समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने इस कदम का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास ऐसे मामलों के लिए सांख्यिकीय साक्ष्य का अभाव है और वह इसे जिहाद का नाम देकर जबरन धर्मांतरण के मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है। जीआर ने समिति की जिम्मेदारियों को निर्दिष्ट किया: वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करना, लव जिहाद और जबरन धार्मिक रूपांतरण के बारे में शिकायतों को संभालना, अन्य राज्यों के कानूनों की जांच करना, कानूनी ढांचे की स्थापना करना और कानूनी निहितार्थों की समीक्षा करना। दस्तावेज़ में लव जिहाद और जबरन धर्म

परिवर्तन को रोकने के लिए जन प्रतिनिधियों, संगठनों और नागरिकों के अनुरोधों का उल्लेख किया गया है। समिति वर्तमान परिस्थितियों का विश्लेषण करेगी और उपयुक्त कानून विकसित करने के लिए अन्य राज्यों में मौजूदा कानूनी संरचनाओं का अध्ययन करते हुए लव जिहाद शिकायतों और जबरन धर्मांतरण के संबंध में उपायों की सिफारिश करेगी। शेख ने कहा, इससे पहले सरकार यह कहते हुए एक प्रस्ताव लेकर आई थी कि राज्य में लव जिहाद के एक लाख से अधिक मामले हैं, लेकिन उन्हें एक भी उदाहरण नहीं मिला जहां वे पुलिस मामला दर्ज कर सकें। ऐसे किसी भी दावे का समर्थन करने के लिए कोई डेटा उपलब्ध नहीं है, और मैंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया था। सरकार इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है।

अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ीं, अब सीवीसी ने दिए शीशमहल की जांच के आदेश

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ना शुरू हो गई हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने भाजपा की ओर से केजरीवाल के मुख्यमंत्री आवास यानी शीशमहल के रिनोवेशन पर किए गए खर्च को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले में नवंबर 2024 से ही सीवीसी के आदेश पर जांच चल रही थी। अब केजरीवाल पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है। सीवीसी ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को उन आरोपों की विस्तृत जांच करने के लिए कहा है, जिनमें कहा गया है कि 40,000 वर्ग गज (करीब 8 एकड़) जमीन में आलीशान बंगले (शीशमहल) के निर्माण में भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन किया गया है। बता दें कि इस मामले में पहली बार 14 अक्टूबर, 2024 को भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता ने सीवीसी में शिकायत दी थी। उसके बाद सीवीसी ने सीपीडब्ल्यूडी को प्राथमिक जांच के आदेश दिए थे।

'लव जिहाद' पर कानून ला रही सरकार, होंगे सख्त नियम

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र सरकार ने जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' के मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए इस पर कानून बनाने के लिए एक सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति राज्य में वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करेगी और इस संबंध में उचित कानूनी उपायों की सिफारिश करेगी। इस समिति का नेतृत्व महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) करेंगे। इसमें महिला एवं बाल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण, विधि एवं न्यायपालिका, सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के सचिव और गृह विभाग के दो प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिति अन्य राज्यों में जबरन धर्मांतरण को लेकर बनाए गए कानूनों का अध्ययन करेगी और महाराष्ट्र में इस प्रकार का कानून लागू करने की संभावनाओं पर विचार करेगी। साथ ही यह समिति राज्य में 'लव जिहाद' और जबरन धर्मांतरण के मामलों की मौजूदा स्थिति का आकलन करेगी और इससे निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर अपनी सिफारिश देगी। सरकार के इस कदम का समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने विरोध किया है। उनका कहना है कि राज्य सरकार के पास ऐसे मामलों का कोई ठोस आंकड़ा नहीं है और यह केवल धर्मांतरण के मुद्दे को 'जिहाद' का नाम देकर राजनीति कर रही है।

बेटे ने बुजुर्ग मां की पीट-पीट कर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत महालक्ष्मी एंक्लेव में बेटे ने बुजुर्ग मां की पीट-पीट कर हत्या कर दी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है. हत्या का मुकदमा दर्ज कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक महिला अपने बेटे और बहू के साथ महालक्ष्मी एंक्लेव के एक मकान में रहती थी. बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात किसी बात को लेकर महिला के बेटे ने उसकी पीट-पीट कर हत्या कर दी और फरार हो गया. सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची. हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर इस बात का पता कर रही है कि उसने अपनी मां की हत्या क्यों की. पड़ोसियों ने बताया कि आरोपी मृतक महिला का इकलौता बेटा है. उसने दो शादी कर रखी है. उसके बच्चे भी है। पड़ोसियों का कहना है कि आरोपी घर में हमेशा लड़ाई झगड़ा करता रहता था. अपनी मां के साथ ही वह अपनी पत्नियों के साथ भी मारपीट करता था. अक्सर उसके घर से लड़ाई झगड़े की आवाज आती रहती थी. शुक्रवार रात तकरीबन 8:00 बजे उन्हें जानकारी मिली कि आरोपी ने अपनी मां की पिटाई कर दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

साइबर अपराध मामले में सीबीआई ने 11 स्थानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराध से संबंधित एक मामले की चल रही जांच में दिल्ली-एनसीआर में नौ स्थानों सहित दो राज्यों में 11 स्थानों पर व्यापक तलाशी ली. संघीय जांच एजेंसी ने शनिवार को कहा कि जांच एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार, साइबर अपराध से संबंधित एक मामले की चल रही जांच में सीबीआई ने दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा सहित दो राज्यों में 11 स्थानों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान करीब 1.08 करोड़ रुपये, 1000 डॉलर की विदेशी मुद्रा और 252 ग्राम सोना जब्त किया गया. सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई आरसी 14/2023 के तहत दर्ज एक मामले के जुड़ी थी, जिसे धारा 120बी के साथ 420 आईपीसी और आईटी अधिनियम की धारा 66डी के तहत पंजीकृत किया गया था। यह कार्रवाई विश्वसनीय स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर की गई थी कि संदिग्ध आपस में और दूसरों के साथ साजिश करके सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करके और कंप्यूटर संसाधनों और क्रिप्टो उपकरणों का उपयोग करके क्रिप्टो धोखाधड़ी करके अवैध गतिविधियों में लगे हुए थे. आरोपी भारत और विदेशों में लोगों को फर्जी तकनीकी सहायता परामर्श देकर और बेईमानी से क्रिप्टो करेंसी के रूप में धन हस्तांतरित करने के लिए प्रेरित करके धोखा देते पाए गए। अधिकारी ने बताया कि इस धन को फिर कई क्रिप्टो वॉलेट के माध्यम से भेजा गया और नकदी में परिवर्तित किया गया. सीबीआई ने पहले ही मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ धारा 120बी के साथ 420 और 384 आईपीसी और आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 66डी के तहत आरोप पत्र दायर किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर का हवाई सर्वेक्षण किया।

सम्राट चौधरी बोले, जलियांवाला बाग की तरह याद किए जाएंगे तारापुर के 34 महान बलिदानी

नई दिल्ली (ए.)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को तारापुर में 34 शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्वाधीनता संग्राम के दौरान पंजाब के जालियांवाला बाग के बाद बिहार के तारापुर में ही सबसे अधिक 34 लोगों ने अपना जीवन बलिदान किया था। उन्होंने इस महान बलिदान की चर्चा मन की बात कार्यक्रम में करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और यहां शहीद स्मारक के निर्माण को स्वीकृति देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने इस क्षेत्र में अस्पताल, कालेज ,रिंग रोड, सड़क चौड़ीकरण, पर्यटन केंद्र और सिंचाई सुविधाओं के लिए लगभग 72 करोड़ रुपये की योजनाएँ स्वीकृत करने की घोषणा कीं। उन्होंने कहा कि 30 शैय्या वाले पुराने तारापुर अस्पताल को 100 बेड वाले अस्पताल के रूप में विकसित करने के लिए 30 करोड़ रुपये और यहाँ के एकमात्र मान्यता प्राप्त सरकारी महाविद्यालय आर एस कॉलेज के विकास के लिए 25 करोड़ रुपए दिये गए हैं। चौधरी ने कहा कि तारापुर में 10 करोड रुपये की लगात से बड़ा पुल बनाया जाएगा जिससे बांका, भागलपुर और मुंगेर – तीन जिलों के लाखों लोगों को लाभ होगा। चौधरी ने कहा कि तारापुर को पर्यटन केंद्र के रूप में विकासित करने के लिए 5 करोड़ रुपये दिए गए हैं । इसके अलावा तारापुर में रिंग रोड का निर्माण किया जाएगा। अपनी जन्मभूमि तारापुर को नमन करते हुए उन्होंने स्वयं को इस धरती का अंगरक्षक बताया और कहा कि 1999 में पहली बार मंत्री बनने पर उन्होंने यहां पुल बनवाया था। चौधरी ने 1700 सरकारी नौकरी के विज्ञापन के लिए श्रममंत्री संतोष कुमार सिंह को धन्यवाद दिया और अपील की कि ये सारी वैकेंसी तारपुर के युवा अपने नाम कर लें। उन्होंने कहा कि तारापुर-खडगपुर में 17 हजार हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए 1800 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश के आसार, मौसम विभाग में ने दी चेतावनी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। उत्तर भारत में दिन के समय बढ़ते तापमान के कारण फरवरी में ही गर्मी का एहसास हो रहा है। दूसरी तरफ कई इलाकों में सुबह-शाम के वक्त अभी भी गलन के कारण लोग परेशान हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, हिमालयी क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से उत्तर भारत में फिर से मौसम में बदलाव आएगा।इससे पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और 20 फरवरी तक मैदानी इलाकों में बारिश होने के आसार बने हुए हैं। दिल्ली में तल्ख धूप के कारण गर्मी परेशान करने लगी है। शुक्रवार को दिनभर धूप खिली रही, जिससे अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री अधिक 26.4 दर्ज किया गया और न्यूनतम 10.7 डिग्री रहा है।शनिवार (15 फरवरी) को अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 11 डिग्री के आस-पास रहने की संभावना जताई गई है। राजधानी में 18 फरवरी के बाद पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखाई दे सकता है, जिससे आंशिक तौर पर बादल छाए रह सकते हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली समुद्री हवाओं की वजह से राजस्थान और गुजरात के कई हिस्सों में तापमान 2 से 3 डिग्री नीचे आ गया है।इससे जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है।जम्मू-कश्मीर में 20 फरवरी तक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ज्यादातर हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और तापमान माइनस में रहने की संभावना है। इस साल मार्च में तापमान तेजी से बढ़ने के आसार हैं।राजस्थान, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ स्थानों पर तापमान में लगभग 1-3 डिग्री की वृद्धि हुई है, जबकि दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान, गुजरात के कुछ इलाकों में रात का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक ऊपर बन रहा है। 17-20 फरवरी के बीच पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान में हल्की बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश में 19 फरवरी को हल्की बारिश होने की संभावना है। बिहार में न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री के आस-पास दर्ज किया गया है।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजना क्रूर और शर्मनाक है : उमा भारती

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने अवैध भारतीय प्रवासियों को ''क्रूर एवं बेहद शर्मनाक तरीके'' से वापस भेजने के लिए शनिवार को अमेरिका की निंदा की। अमेरिका का एक सैन्य विमान भारत के विभिन्न राज्यों के 104 ''अवैध प्रवासियों'' को लेकर पांच फरवरी को अमृतसर पहुंचा था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत इन लोगों को भारत निर्वासित किया था। कुछ निर्वासितों ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ-पैरों में हथकड़ी लगी रही तथा अमृतसर में उतरने के बाद ही उनकी बेड़ियां खोली गईं। भारती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा,''अमेरिका से वापस भेजे गए अवैध प्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ियों एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजा गया, वह बेहद शर्मनाक एवं मानवता के लिए कलंक है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकारों ने 'रेड इंडियंस' और वहां रहने वाले अफ्रीकी मूल के लोगों के प्रति कई बार यह क्रूर और हिंसक रवैया दिखाया है। रेड इंडियन शब्द का इस्तेमाल यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों के लिए किया जाता था। भाजपा नेता ने कहा, जब उन्हें (निर्वासित लोगों को) विमान से भेजा जा रहा था तब उन्हें हथकड़ियों और बेड़ियों में रखना अमेरिकी प्रशासन की क्रूरता और अमानवीयता को दर्शाता है। किसी देश में अवैध रूप से प्रवेश करना अपराध है, हर देश के कानून के अनुसार इसकी सजा का प्रावधान है, लेकिन ऐसी क्रूरता महा पाप है।'' अमेरिका से 119 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरेगा।

परमाणु ऊर्जा का पावरहाउस बनेगा भारतः केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने हाल ही में कहा कि विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन की शुरुआत घरेलू परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने और एडवांस्ड परमाणु टेक्नोलॉजी को स्थापित करने की एक बड़ी योजना की रूपरेखा तैयार करती है।भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाते हुए केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए 20,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसका लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए एसएमआर को चालू करना है।

कुपवाड़ा में सेना ने चलाया संयुक्त सर्च ऑपरेशन, हथियार और गोला-बारूद बरामद

जम्मू (आरएनएस)। भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुपवाड़ा क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 2 पिस्तौल, 4 पिस्तौल मैगजीन और अन्य गोला-बारूद बरामद किए गए। कुपवाड़ा के चन्नीपुरा पेन स्थित बांदी मोहल्ला में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को ज्वाइंट सर्च ऑपरेशन चलाया। यह ऑपरेशन विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया। भारतीय सेना के चिनार कोर ने इस ऑपरेशन को लेकर जानकारी साझा की।भारतीय सेना के चिनार कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑपरेशन की जानकारी देते हुए लिखा, ऑपरेशन बंदी, कुपवाड़ा। 14 फरवरी 2025 को विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा सामान्य क्षेत्र बंदी मोहल्ला, चन्नीपुरा पैन, कुपवाड़ा में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान 2 पिस्तौल, 4 पिस्तौल मैगजीन और गोला-बारूद बरामद किया गया है। ऑपरेशन जारी है। इससे पहले, 5 फरवरी को बारामूला जिले के उरी सेक्टर के एक इलाके में सुरक्षाबलों ने एक ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया था। उरी सेक्टर के अंगनपथरी वन क्षेत्र में एक खोखले देवदार के पेड़ से हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद किया गया था। इसमें 3 एके-47 राइफल, 11 मैगजीन, 292 गोलियां, एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल), 9 यूबीजीएल ग्रेनेड और 2 हैंड ग्रेनेड थे। इन हथियारों को कंबल में लपेट कर रखा गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना ने खुफिया सूत्रों से मिली गुप्त सूचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। जिसमें बताया गया था कि बारामूला के जंगलों में आतंकियों ने हथियारों का जखीरा छिपा रखा गया है।

नई दिल्ली के एक परीक्षा केंद्र पर सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा देने के बाद छात्र निकलते हुए।

कनाडा की सबसे बड़ी चोरी का आरोपी चंडीगढ़ में, 173 करोड़ रुपये का सोना चुराया था

चंडीगढ़,(आरएनएस)। कनाडा के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी का मुख्य आरोपी सिमरन प्रीत पनेसर चंडीगढ़ में एक किराए के घर में रह रहा है। पनेसर एयर कनाडा एयरलाइन का पूर्व मैनेजर है और कनाडा में करीब 173 करोड़ रुपये की चोरी में शामिल रहा है। पनेसर चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में अपनी पत्नी के साथ रह रहा है और पारिवारिक कारोबार संभाल रहा है। कनाडा ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है।रिपोर्ट के मुताबकि, अप्रैल 2023 में टोरंटो के पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो टर्मिनल से 400 किलोग्राम की 6,600 सोने की छड़ें और लगभग 2.5 मिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा चोरी हो गई थी। यह सामान स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से एक विमान में आया था और कार्गो में आते ही कुछ ही घंटों के भीतर गायब कर दिया गया था। इस पूरी वारदात में पनेसर समेत 9 आरोपी शामिल थे।सूत्रों ने कनाडा की पील क्षेत्रीय पुलिस के दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि मामले पर बीते एक साल से 20 अधिकारियों की टीम जांच में जुटी है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के बाद बना एक और रिकॉर्ड, प्रयागराज एयरपोर्ट पर उतरे 650 चार्टर्ड प्लेन

प्रयागराज,(आरएनएस)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ का आज 34वां दिन है. महाकुंभ में इस बार कई नए रिकॉर्ड बने हैं. अब तक महाकुंभ के दौरान 50 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं. इसके बाद महाकुंभ में एक और रिकॉर्ड बन गया है. अभी भी हर दिन दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं. 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है.अलग-अलग राज्य सरकारें श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज के लिए स्पेशल बसें चला रही हैं तो वहीं रेलवे ने भी विभिन्न राज्यों से महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेनों का इंतजाम किया है. लेकिन इसके साथ ही करोड़ों लोग अपने निजी वाहनों से भी महाकुंभ में पहुंच रहे हैं. यही नहीं दर्जनों लोग अपने चार्टर्ड प्लेन से भी महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगाने के लिए प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंच चुके हैं.बता दें कि प्रयागराज एयरपोर्ट पर आम दिनों की तुलना में महाकुंभ के दौरान हर दिन कई चार्टर्ड और प्राइवेट जेट लैंड कर रहे हैं. जिसके चलते प्रयागराज एयरपोर्ट पर भी विमानों की लाइन लग गई हुई है. महाकुंभ के चलते प्रयागराज में गाड़ियों की पार्किंग के अलावा एयरपोर्ट पर भी प्राइवेट जेट और चार्टर्ड विमानों को इंतजार करना पड़ रहा है.बता दें कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट पर अब तक 650 से ज्यादा चार्टर्ड प्लेन उतर चुके हैं. इस दौरान सबसे ज्यादा 71 चार्टर्ड विमान 11 फरवरी को प्रयागराज एयरपोर्ट पर उतरे. जो अब तक का रिकॉर्ड है. इससे पहले 8 फरवरी के बाद से हर दिन प्रयागराज एयरपोर्ट पर 60 से ज्यादा चार्टर्ड और निजी विमान उतर रहे हैं। महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगाने के लिए देश के सेलिब्रिटी, विदेशी राजनयिक और फिल्म व मनोरंजन जगत से जुड़े हजारों लोग चार्टर्ड प्लेन से प्रयागराज पहुंच रहे हैं. अभी भी ऐसे उद्योगपतियों का संगम नगरी में आना जारी है जो चार्टर्ड प्लेन से यहां पहुंच रहे हैं।

अक्षरा की सुरीली आवाज से गाढ़े होंगे होली के रंग, आ रहा है 'कंगना जोगीरा गावे' सॉन्ग

भोजपुरी अभिनेत्री अपने अभिनय के लिए तो दर्शकों के दिलों पर राज करती ही हैं, साथ ही फैंस उनकी सुरीली आवाज के भी मुरीद हैं। छठ हो या होली-दिवाली और दशहरा, अक्षरा के गानों के बिना हर त्योहार अधूरा सा लगता है। अब जब होली का त्योहार आने वाला है तो अभिनेत्री फैंस के लिए एक होली स्पेशल गाना लेकर आई हैं। उसका टीजर रिलीज हुआ है।

जारी हुआ गाने का टीजर

अक्षरा सिंह के इस गाने का टाइटल है 'कंगना जोगीरा गावे'। फिलहाल आज शनिवार 15 फरवरी को गाने का टीजर जारी हुआ है। इसे टी-सीरीज हमार यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है। गाने को अक्षरा ने अपनी सुरीली आवाज से सजाया है साथ ही गाने पर उन्होंने परफॉर्म भी किया है। इसमें होली के रंग नजर आ रहे हैं। शरारत भी है और त्योहार की उमंग भी।

अक्षरा सिंह ने दिया अपडेट

अक्षरा ने इंस्टग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को अपने इस नए गाने के बारे में अपडेट दिया है। उन्होंने टीजर शेयर करते हुए लिखा है, 'एनर्जी से भरपूर गाने की झलक आपके लिए। कंगना जोगीरा गावे गाने का टीजर रिलीज हो गया है। जल्द ही पूरा गाना भी आने वाला है'।

अक्षरा सिंह ने दिया अपडेट

अक्षरा ने इंस्टग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को अपने इस नए गाने के बारे में अपडेट दिया है। उन्होंने टीजर शेयर करते हुए लिखा है, 'एनर्जी से भरपूर गाने की झलक आपके लिए। कंगना जोगीरा गावे गाने का टीजर रिलीज हो गया है। जल्द ही पूरा गाना भी आने वाला है'।

यूजर्स की मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया

दर्शकों को टीजर इतना दिलचस्प लगा है कि गाने के प्रति उनकी बेकरारी बढ़ गई है। यूजर्स अक्षरा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'अक्षरा दीदी का जवाब नहीं'। एक यूजर ने लिखा, 'अबकी होली जानदार होने वाली है, अक्षरा का गाना जो आया है'। एक यूजर ने लिखा, 'सुपर सॉन्ग'। इस गाने के बोल मनोज मतलबी ने लिखे हैं।

मिथिला पालकर ने अपनी पहली तमिल फिल्म यात्रा को वास्तव में विशेष बताया

अभिनेत्री मिथिला पालकर ने अपनी बहुप्रतीक्षित पहली तमिल फिल्म ओहो एंथन बेबी की शूटिंग पूरी कर ली है और अभिनेत्री खुशी और उत्साह से अभिभूत हैं। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, मिथिला ने कहा, मैंने अपनी पहली तमिल फिल्म पूरी कर ली है और मैं हर किसी के इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती! ऐसा लगता है जैसे कल ही हमने मुहूर्त शॉट शूट किया था और अब, हमने शूटिंग पूरी कर ली है - यह एक अद्भुत एहसास है। यह यात्रा वास्तव में खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला।

उन्होंने आगे कहा तमिल में अपनी लाइनें सीखना निश्चित रूप से एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसका पूरा आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मुझे बहुत स्वागत और घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं तमिल भाषा नहीं बोल पाता। उनके निरंतर समर्थन और गर्मजोशी ने इस प्रक्रिया को बहुत आसान और और भी मज़ेदार बना दिया. मिथिला ने आगे कहा, सिर्फ फिल्मांकन के अनुभव से परे, मुझे संस्कृति में डूबने का मौका मिला, मैंने अपना ज़्यादातर समय यहाँ बिताया और इस दौरान बहुत कुछ सीखा। यह फिल्म सीखने और विकास की यात्रा रही है, और मैं अपने दर्शकों को इस नए अवतार में देखने के लिए बेताब हूँ!

ओहो एंथन बेबी' का निर्देशन कृष्णकुमार रामकुमार ने किया है और इसका निर्माण रोमियो पिक्चर्स, विष्णु विशाल और डी कंपनी ने किया है।इस बीच, मिथिला पालकर हाल ही में फिल्म 'स्वीट ड्रीम्स' में नज़र आईं, जहाँ उन्होंने गीतकार दीया का किरदार निभाया। विक्टर मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सपनों की असली दुनिया से जुड़े दो अजनबियों की कहानी है। इस फिल्म में अमोल पाराशर, मेयांग चांग और सौरसेनी मैत्रा भी थे।

'स्वीट ड्रीम्स' 24 जनवरी को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज़ हुई।

फिल्म के बारे में बात करते हुए मिथिला ने कहा, दीया की कहानी ऐसी है जिससे हममें से कई लोग खुद को जोड़ पाएंगे क्योंकि वह भ्रमित है, महत्वाकांक्षी है और कुछ और पाने की चाहत रखती है। केनी के साथ उसके जो सपने हैं, वे सिर्फ़ रोमांस के बारे में नहीं हैं; वे यह समझने के बारे में हैं कि वास्तव में क्या मायने रखता है। इस फिल्म की शूटिंग करना एक भावनात्मक यात्रा की तरह लगा।

सनम तेरी कसम के बाद हर्षवर्धन राणे ने अनाउंस की नई लव स्टोरी दीवानियत, टीजर भी आया सामने

हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की सनम तेरी कमस की री-रिलीज ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है. इसी बीच हर्षवर्धन ने एक और रोमांटिक लव स्टोरी का एलान किया है. खास बात ये है कि उन्होंने इसकी घोषणा प्यार के दिन वैलेंटाइन डे पर की है जिसमें उन्होंने वादा किया कि फिल्म रोमांचक और दिल को झकझोर देने वाली होगी.सनम तेरी कसम की अपार सफलता के बाद अब हर्षवर्धन दीवानियत लेकर आ रहे हैं. जिसकी अनाउंसमेंट उन्होंने एक शानदार मोशन पोस्टर रिलीज करते हुए की है. मोशन पोस्टर में एक खून से लथपथ हाथ में एक गुलाब का फूल है. इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, हमारी अपकमिंग फिल्म की घोषणा, दीवानियत हर्षवर्धन राणे स्टारर एक दिल को झकझोर कर देने वाली म्यूजिकल लव स्टोरी, सनम तेरी कसम की री-रिलीज की ग्रैंड सक्सेस के बाद. बता दें फिल्म को 2025 को अंत तक रिलीज किए जाने की योजना है.

हर्षवर्धन राणे ने आगामी फिल्म के लिए अपनी उत्सुकता दिखाते हुए कहा, मैं दर्शकों का आभारी हूं कि उन्होंने सनम तेरी कसम के लिए मुझे इतना प्यार दिया है. एक लव स्टोरी काफी पावरफुल होती है, जब मैंने दीवानियत में अपने रोल और कहानी के पागलपन, जुनून को सुना, तो मैंने तुरंत इसे अपनी अगली फिल्म के रूप में चुना. उन्होंने आगे कहा, मैं अपने निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी और निर्माता अमूल वी मोहन, अंशुल मोहन के साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हूं. उम्मीद है कि दर्शकों को भी यह दिल तोड़ने वाली लव स्टोरी पसंद आएगी.

हाई-वोल्टेज स्टोरीटेलिंग (सत्यमेव जयते, मरजावां) के मास्टर मिलाप मिलन जावेरी द्वारा निर्देशित और मुश्ताक शेख (ओम शांति ओम) द्वारा लिखित यह फिल्म बड़े पर्दे पर जुनून और दिल टूटने की एक एपिक कहानी का वादा करती है. इस म्यूजिकल लव स्टोरी के लिए लीड एक्ट्रेस की घोषणा जल्द की जाएगी. द साबरमती रिपोर्ट के मेकर्स द्वारा बनाई गई दीवानियत इस साल फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है और इसे 2025 के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा.

भरतनाट्यम से भारत की संस्कृति को दिखाने पर हेमा मालिनी को गर्व, बोलीं- नृत्य ही मेरी साधना है

आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से बैंगलोर में अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन में हेमा मालिनी ने डांस के प्रति अपने प्रेम को बयां किया। इस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ फिल्म निर्माता अश्विनी अय्यर तिवारी और आध्यात्मिक गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जैसे कई कलाकार शामिल रहे। कार्यक्रम में आंतरिक शांति और आध्यात्मिकता को लेकर चर्चा हुई। वहीं, योग और ध्यान करने जैसी चीजों पर भी जोर दिया गया।

बताई रोल मॉडल की परिभाषा

हेमा मालिनी ने इस कार्यक्रम में कहा कि कोई भी रोल मॉडल किसी डिजाइन से नहीं बनता। वह व्यक्ति अपने जीवन को जीने के तरीके और संघर्षों से लड़ने और जीतने की क्षमता के कारण रोल मॉडल बनता है।

नृत्य को लेकर बोलीं हेमा मालिनी

हेमा मालिनी ने नृत्य के प्रति अपने लगाव के बारे में बात की। उन्होंने कहा, जब मैं नृत्य करती हूं तो जीवित महसूस करती हूं। खुद अपने मन के साथ जुड़ाव महसूस कर पाती हूं। नृत्य, योग और ध्यान मेरी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि भरतनाट्यम के माध्यम से वे भारत की सांस्कृतिक विरासत को दिखा पाईं, ये बहुत ही गर्व की बात है।

निर्माता अश्विनी अय्यर ने कही ये बात

फिल्म निर्माता अश्विनी अय्यर तिवारी ने कहा कि न कहना और जो चीजें आपको खुशी दें, उसे करने से ही असली ताकत का पता चलता है।

आदर्श गौरव की सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ट्रेलर जारी, 28 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है. ट्रेलर में एक ऐसी कहानी है जिसमें कुछ लड़के अपनी आम जिंदगी से उठकर कुछ बड़ा करने का सोचते हैं और अपने ही गांव यानि मालेगांव में फिल्म बनाने का सोचते हैं. जिसका नाम है- मालेगांव की शोले. ट्रेलर की शुरुआत में एक प्लेन को देखकर दो दोस्त उसके बारे में बात करते हैं कि क्या चीज बनाई है और वे उसमें बैठने का सपना देखते हैं.इस फिल्म में आदर्श गौरव, शशांक अरोड़ा, अनुज सिंह दुहान, साकिब अयूब, विनीत कुमार सिंह, पल्लव सिंह जैसे कलाकार हैं. जो बात करते हैं मुंबई जाने की लेकिन इनमें से एक बोलता है कि मुंबई जाने की क्या जरुरत है हम यहीं अपने गांव में मुंबई को ले आते हैं. यहीं पिक्चर बनाते हैं. घर से उनको सख्त हिदायत मिल जाती है कि जो बनाना है बनाओ लेकिन घर से एक पैसा नहीं मिलेगा. कुछ दोस्त कहते हैं कि हम खजूर की दुकान चलाते हैं, हम लोग जन्म गरीब हैं, पिक्चर बनाने का कैसे सोच सकते हैं. लेकिन एक दोस्त सबको मोटिवेट करता है कि हम कुछ अलग कर सकते हैं, जो हमारा अपना हो और फिर सब साथ हो जाते हैं और फिल्म बनाने की शुरुआत करते हैं जिसका नाम है- मालेगांव की शोले.सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव को कई फिल्म फेस्टिवल में तारीफ मिल चुकी है. फिल्म मालेगांव के आम लोगों की है जिसमें नासिर शेख अपने दोस्तों के साथ फिल्म बनाने का सपना देखता है और उसे पूरा करता है.

पीरियड ड्रामा फिल्म कांथा से भाग्य श्री बोरसे की फर्स्ट लुक आउट

कांथा की निर्माताओं ने मुख्य नायिका भाग्य श्री बोरसे का पहला लुक कुछ समय पहले ही जारी किया गया है। पहली तस्वीर में भाग्य श्री बोरसे एक खूबसूरत बैठी हुई मुद्रा में दिखाई दे रही हैं। पारंपरिक लुक में दिख रही उनकी आकर्षक अदाओं ने दर्शकों का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया है। वैलेंटाइन डे स्पेशल पोस्टर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

मलयालम स्टार दुलकर सलमान और टॉलीवुड स्टार राणा दग्गुबाती की जोड़ी वाली पीरियड ड्रामा कांथा की घोषणा कुछ महीने पहले ही की गई थी। फिलहाल, शूटिंग तेजी से चल रही है। कांथा का निर्देशन सेल्वामणि सेल्वराज कर रहे हैं, फिल्म का निर्माण डीक्यू वेफेयरर फिल्म्स और स्पिरिट मीडिया ने मिलकर किया है। फिल्म का संगीत प्रशांत ने तैयार किया है और इसमें अभिनेता समुथिरकानी प्रमुख भूमिका में हैं। राणा दग्गुबाती इस फिल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं।

शबाना आजमी और ज्योतिका स्टारर डब्बा कार्टेल का टीजर हुआ रिलीज, 28 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

काफी समय से अभिनेत्री शबाना आजमी अपनी आगामी वेब सीरीज डब्बा कार्टेल को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं, जिसके निर्देशन की कमान हितेश भाटिया ने संभाली है। फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं।शबाना के अलावा इस सीरीज में गजराज राव, ज्योतिका और साई ताम्हणकर जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।अब आखिरकार निर्माताओं ने डब्बा कार्टेल का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें शबाना की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। टीजर को प्रशंसक पसंद कर रहे हैं।डब्बा कार्टेल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। सीरीज की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। डब्बा कार्टेल को आप 28 फरवरी, 2025 से नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे।निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, आज डब्बे में क्या है?इस सीरीज में निमिषा सजयन, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद, जिशु सेनगुप्ता, लिलेट दुबे और भूपेन्द्र सिंह जादावत भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

कोलेस्ट्रॉल समेत इन बीमारियों में कारगर है तांबे के बर्तन में पानी पीना, शरीर को मिलते हैं ये फायदे

मौजूदा समय में ज्यादातर लोग कांच या स्टील के गिलास में पानी पीते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि तांबे के बर्तन में पानी पीना कितना स्वास्थ्यवर्धक है? खासकर सर्दी के मौसम में अगर आप सुबह तांबे के गिलास या बर्तन में पानी पीते हैं तो इससे आप पूरे दिन ऊर्जा से भरपूर, हल्का और तरोताजा महसूस कर सकते हैं. आइए जानते हैं तांबे के बर्तन में पानी पीने के क्या फायदे हैं...

नियमित तांबे के बर्तन में पानी पीने के फायदे-

* आयुर्वेदिक डॉक्टर का कहना है कि अगर आप तांबे के गिलास में पानी पीते हैं तो आप अपना वजन बढ़ने से रोक सकते हैं.

* रोजाना एक गिलास तांबे के बर्तन में पानी पीने से पाचन शक्ति मजबूत होती है. साथ ही पेट की समस्या से बचाव होता है.

* अगर आप हर रोज सुबह के समय खाली पेट तांबे के बर्तन में पानी पिएं तो यह बढ़ती उम्र के संकेतों को कम करता है.

* अगर आप हार्ट को हेल्दी रखना चाहते हैं तो आप रोजाना तांबे के बर्तन में पानी पिएं. इससे हाइपरटेंशन और कोलेस्ट्रॉल में भी कमी आ सकती है.

* अगर आपके जोड़ों में सूजन, दर्द रहता है या फिर अर्थराइटिस की समस्या है तो रोजाना खाली पेट तांबे के बर्तन में पानी पीना फायदेमंद हो सकता है.

तांबे बर्तन में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो पानी में मिलकर शरीर में हुए घावों को तेजी से भरने में मदद करते हैं.

रोजाना तांबे के बर्तन में पानी पीने से त्वचा के स्वास्थ्य और मेलेनिन उत्पादन को बढ़ावा देता है.तांबे के बर्तन में रोगाणु रोधी गुण होने के कारण ये संक्रमण से लड़ता है.

सेहत को हेल्दी बनाए रखने के लिए हंसना है जरूरी, खुलकर हंसने के ये हैं फायदे

हंसने से न सिर्फ दिमाग अच्छा होता है बल्कि इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी फायदा मिलता है. जोर-जोर से हंसना कई मायनों में सेहतमंद होता है. एक शोध में यह भी पाया गया है कि कॉमेडी शो देखने और खुलकर हंसने से तनाव कम होता है और यह इम्यूनिटी के लिए भी अच्छा होता है. आइए जानते हैं हंसने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से...

खुलकर हंसने से मिलते हैं सेहत के ये 5 फायदे

हृदय के लिए फायदेमंद

खुलकर हंसने से हृदय को स्वास्थ्य लाभ होता है. हंसने से ऑक्सीजन की मात्रा बढ़कर हृदय गति में सुधार होता है. ऐसे में हृदय रोग से संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता हैं.

तनाव कम करने में मददगार

हंसने से शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन रिलीज होता है जो तनाव को कम करता है. तनाव कम होने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है। तनाव कम होने से मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है.

मांसपेशियों को आराम मिलता है

मानसिक तनाव के साथ-साथ शारीरिक तनाव को भी कम करने के लिए हंसना अच्छा होता है. ऐसे में खुलकर हंसना तनाव को कम करता है और मांसपेशियों को आराम देता है.

कैलोरी बर्न में मदद मिलती है

आप रोजाना 10 से 15 मिनट तक जोर से हंसकर कैलोरी बर्न कर सकते हैं. हंसना कैलोरी बर्न करने के लिए अच्छा है. अगर आपके पास जिम जाने का समय नहीं है तो आप इस तरह अपना वजन कम कर सकते हैं.

इम्यूनिटी बूस्ट करता है

जोर-जोर से हंसने से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है. ऐसे में हम इम्यून सिस्टम को मजबूत करके संक्रमण से बच सकते हैं. हंसने से कई अन्य स्वास्थ्य लाभ होते हैं.

अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग : भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे सचिन

नई दिल्ली (ए)। इस माह 22 फरवरी से शुरु होने जा रही अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर करेंगे जबकि श्रीलंकाई टीम की कप्तानी दिग्गज कुमार संगकारा को मिली है। पूर्व क्रिकेटरों की इस लीग से प्रशंसकों को एक बार फिर अपने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। ये टूर्नामेंट 22 फरवरी से 16 मार्च के बीच मुंबई, वडोदरा और रायपुर में खेला जाएगा। भारतीय टीम में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के अलावा सुरेश रैना, इरफान पठान और अंबाती रायुडू जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस लीग के उद्घाटन संस्करण को लेकर इरफ़ान पठान ने कहा कि मास्टर्स लीग एक ऐसा टूर्नामेंट है जो क्रिकेट के स्वर्ण युग की याद दिलाता है। साथ ही किा कि मैं इस सत्र में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। हम आईएमएल की मेजबानी कर रहे हैं पर मैं क्रिकेट प्रशंसकों को ये भरोसा देता हूं कि हम मैदान पर अपनी ओर से कोई कमी नहीं रहेंगे। हम खिताबी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। वहीं कुमार संगकारा की श्रीलंकाई मास्टर्स टीम में टीम में भी कई दिगगज खिलाड़ी शामिल है।

भारतीय मास्टर्स टीम - सचिन (कप्तान), युवराज, रैना, रायडू, यूसुफ, इरफान, बिन्नी, कुलकर्णी, विनय कुमार, नदीम, राहुल शर्मा, ओझा, नेगी, गुरकीरत मान, मिथुन।

पोलार्ड की तरह ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं उनके बेटे कैडेन

जमैका (ए)। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड के बेटे कैडेन पोलार्ड भी पिता की तरह ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। पोलार्ड ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने बेटे कैडेन की एक तस्वीर साझा की है। इस फोटो में कैडेन हाथ में बल्ला और हेलमेट लिए नजर आये हैं। पोलार्ड ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि उनके बेटे ने एक शतक बनाया है। पोलार्ड ने ही कहा कि उनके बेटे कैडेन ने 85 गेंदों में 135 रन बनाये हैं। कैडेन ने ये शतक लगाकर अपनी नॉर्थ टीम को टीटी क्रिकेट बोर्ड को अंडर-15 इंटरजोन यूथ टूर्नामेंट में टोबैगो पर 159 रन से बड़ी जीत दिलाई। कैडेन ने इस दौरान कई ऐसे शॉट्स लगाए, जिसने उनमें पिता कीरोन की झलक नजर आयी।कैडेन अपने पिता कायरन पोलार्ड के साथ कई बार अभ्यास करते हुए नजर आए हैं। कैडेन को कई बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस के नेट्स में अभ्यास भी करते हुए देखा गया है। मुंबई ने अपने सोशल मीडिया पर कैडेन की बैटिंग का वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें देखा जा सकता है कि वो अपने पिता कायरन की गेंदबाजी पर बड़े शॉट्स लगाते दिख रहे हैं। पोलार्ड खेल से संन्यास के बाद अब बल्लेबाजी कोच के तौर पर आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से जुड़े हैं।

ब्राइटन के खिलाफ चेल्सी की 0-3 से हार के बाद मारेस्का ने बताया इसे सबसे खराब प्रदर्शन

ब्राइटन, (आरएनएस)। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने अपनी टीम की हार पर नाराजगी व्यक्त की है। उनकी टीम को शुक्रवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ 0-3 की करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे अपनी टीम का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन बताया।

चेल्सी पूरे मैच में एक भी सही शॉट नहीं लगा सकी और कोई गोल नहीं हुआ। इस मैच में ब्राइटन के काओरू मितोमा ने शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद यानकुबा मिन्टेह ने दो और गोल दागे और ब्राइटन ने आसानी से जीत हासिल कर ली। चेल्सी पूरे मैच में आक्रामक खेल नहीं दिखा पाई।

मारेस्का ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, जब से मैं आया हूं, यह सबसे खराब प्रदर्शन है, खासकर ऐसे समय में जब हम अच्छे स्थान पर थे। हम लीग में चौथे स्थान पर हैं और अगर हम यह मैच जीतते, तो तीसरे स्थान से सिर्फ एक अंक दूर

होते और बाकी टीमों से फासला बढ़ा सकते थे। लेकिन हमने जिस तरह का खेल दिखाया, वह बिल्कुल भी सही नहीं था। हम इस हार से बहुत दुखी हैं और प्रशंसकों से माफी चाहते हैं।

कई अहम अटैकिंग खिलाड़ी चोट के कारण नहीं खेल रहे थे, जिससे टीम और कमजोर दिखी।

45 वर्षीय इटालियन कोच ने कहा, पहले 30 मिनट तक हमने अच्छा नियंत्रण रखा, लेकिन मितोमा का गोल होने के बाद हम जल्दी मौके देने लगे और खुद अच्छे मौके बना नहीं पाए। इसकी एक वजह हमारे स्ट्राइकरों की चोटें हैं... कई अहम खिलाड़ी बाहर हैं, लेकिन हमें इसका समाधान खोजना होगा।

मारेस्का ने क्रिस्टोफर नकुंकू को मुख्य स्ट्राइकर के रूप में उतारा और कोल पामर को उनके पीछे रखा, लेकिन दोनों ब्राइटन के डिफेंस के लिए कोई खास खतरा नहीं बने। हार के बाद मारेस्का निराश थे, क्योंकि अब उन्हें लंदन लौटना था।

कतर ओपन: ओस्टापेंको ने स्वीयाटेक को चौंकाकर फाइनल में जगह बनाई

दोहा, (ए) । इगा स्वीयाटेक के खिलाफ सेमीफाइनल में जाने से पहले, जेलेना ओस्टापेंको को मैच जीतने और शुक्रवार को कतर ओपन के फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा था। ओस्टापेंको ने स्वीयाटेक के खिलाफ अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा और सीधे सेटों में जीत के साथ लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।पूर्व फ्रेंच ओपन विजेता ओस्टापेंको ने मैच के बाद कोर्ट पर दिए गए अपने साक्षात्कार में कहा, मुझे पूरा भरोसा था कि मैं उसे हरा दूंगी क्योंकि हमने बहुत सारे मैच खेले हैं और मुझे पता है कि उसके खिलाफ कैसे खेलना है।उन्होंने कहा, मैं खुद पर और मुझे जो करना था उस पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही थी। मैं इस सप्ताह अपनी भावनाओं को संभालने के तरीके से खुश हूं। लातवियाई ओस्टापेंको ने सेमीफाइनल में 6-3, 6-1 की शानदार जीत के साथ नंबर 2 सीड को हराया, जिससे तीन बार की गत विजेता स्वीयाटेक का टूर्नामेंट में 15 मैचों की जीत का सिलसिला खत्म हो गया।

कनिका और ऋचा दोनों ने शानदार पारी खेलीः मिताली

नई दिल्ली, (ए) पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने शुक्रवार को गुजरात जायंट्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की बल्लेबाजों ऋचा घोष और कनिका आहूजा की रिकॉर्ड-तोड़ रन चेज में खेली गई धमाकेदार पारियों की सराहना की।आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर गुजरात को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बेथ मूनी (56) और कप्तान एश्ले गार्डनर (नाबाद 79) ने अर्धशतक जड़कर टीम को 20 ओवर में 201/5 का मजबूत स्कोर खड़ा करने में मदद की।जवाब में, एलिस पेरी ने 34 गेंदों में दो छक्कों और छह चौकों की मदद से 57 रन बनाए, जबकि ऋचा ने 27 गेंदों में चार छक्कों और सात चौकों की मदद से 64 रनों की शानदार पारी खेली। कनिका ने भी 13 गेंदों में चार चौकों की मदद से नाबाद 30 रन बनाकर टीम को नौ गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। यह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में सबसे सफल चेज़ था क्योंकि आरसीबी ने छह विकेट की जीत के साथ अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत की।अमूल क्रिकेट लाइव, जियोहॉटस्टार पर विशेष रूप से बात करते हुए, मिताली राज ने बहुप्रतीक्षित सीज़न ओपनर के बारे में बताया। यह एक रिकॉर्ड तोड़ने वाली शुरुआत रही है, और यह सही भी है। पहली पारी में, हमने देखा कि एश्ले गार्डनर और डिएंड्रा डॉटिन ने 201 रनों के शानदार स्कोर के साथ नींव रखी। फिर, ऋचा घोष, कनिका आहूजा और एलिस पेरी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए असाधारण प्रदर्शन किया। इस मैच में सब कुछ था - बड़े रन, महत्वपूर्ण साझेदारियां और उच्च तीव्रता वाला क्रिकेट।ऋचा और कनिका के बीच साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, मिताली ने कहा, जब ऋचा घोष आई, तो उन्होंने अभी-अभी एलिस पेरी को खोया था, और कनिका आहूजा के क्रीज पर होने के कारण, दोनों ही नई बल्लेबाज़ थीं। उन्हें फिर से खेलना पड़ा, खासकर 12 रन प्रति ओवर से ज़्यादा की दर से। ऋचा घोष को कनिका ने ठोस समर्थन दिया, जिन्होंने भले ही बड़े शॉट नहीं लगाए हों, लेकिन फिर भी अच्छी तरह से लगाए गए बाउंड्री के साथ 200 से ज़्यादा की स्ट्राइक रेट बनाए रखी। बदले में, इसने ऋचा को अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल खेलने की अनुमति दी।

पाकिस्तान के हेड कोच आकिब जावेद ने किया बाबर आजम को ओपनर बनाए रखने का समर्थन

-चैंपियंस ट्रॉफी 2025

कराची, (ए) । पाकिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच आकिब जावेद ने बाबर आजम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में ओपनिंग बल्लेबाज बनाए रखने का समर्थन किया है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेली जाएगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में पाकिस्तान को पांच विकेट से हार मिली। इसके बाद बाबर को ओपनिंग भेजने के फैसले पर सवाल उठे। लेकिन जावेद ने टीम प्रबंधन के इस कदम का समर्थन किया और उम्मीद जताई कि पूर्व कप्तान इस नई भूमिका में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विदेशी दौरे में बाबर को हर मैच में पहले ही ओवर में बल्लेबाजी करनी पड़ी थी। फिर सैम अयूब चोटिल हो गए, जिससे बाबर को टेस्ट मैचों में भी ओपनिंग करनी पड़ी। इन पिचों पर बल्लेबाजों के लिए शुरुआत में कोई परेशानी नहीं होती, इसलिए हमने अपने सबसे अच्छे बल्लेबाज को पावरप्ले का पूरा फायदा उठाने के लिए भेजा। यह हमारे लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि इन परिस्थितियों में बाबर को

ओपनिंग करनी चाहिए और मुझे भरोसा है कि वह महत्वपूर्ण मैचों में बड़ी पारियां खेलेंगे।

हाल ही में समाप्त हुई त्रिकोणीय सीरीज में पाकिस्तान को सिर्फ एक ही जीत मिली थी, लेकिन इसके बावजूद जावेद ने टीम पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी में यह टीम बेहतरीन प्रदर्शन करेगी। अगर हमारी बल्लेबाजी सामान्य रही, तो हम 350 रन बना सकते हैं। अगर हारिस रऊफ फिट होकर फॉर्म में आ जाएं और नसीम, शाहीन और हमारे स्पिनर्स के साथ मिलकर प्रदर्शन करें तो यह टीम किसी को भी हरा सकती है।

उन्होंने आगे कहा, हमें एक स्पिन ऑलराउंडर और एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जरूरत थी, इसलिए खुशदिल और फहीम को टीम में शामिल किया गया है। जब आप कोई टूर्नामेंट खेलते हैं, तो टीम में विविधता होनी चाहिए।

वहीं, पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर बासित अली ने सैम अयूब की गैरमौजूदगी में बाबर को ओपनिंग कराने के फैसले की आलोचना की।उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, अगर आपने यह सीरीज जीती होती, तो हर खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ता। लेकिन यह फैसला किसने लिया कि बाबर ओपनिंग करेंगे? मुझे हैरानी हो रही है कि ये लोग कैसे फैसले ले रहे हैं। वह नंबर तीन पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50-70 रन बना रहे थे, लेकिन वह भी बंद कर दिया।उन्होंने आगे कहा, अब इस त्रिकोणीय सीरीज में सिर्फ 62 रन बने हैं। यही सोच और यही तरीका है!

पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी का अपना पहला मैच खेलेगा।

विदेश समाचार

बेरुत में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के काफिले पर हमला, एक कमांडर घायल

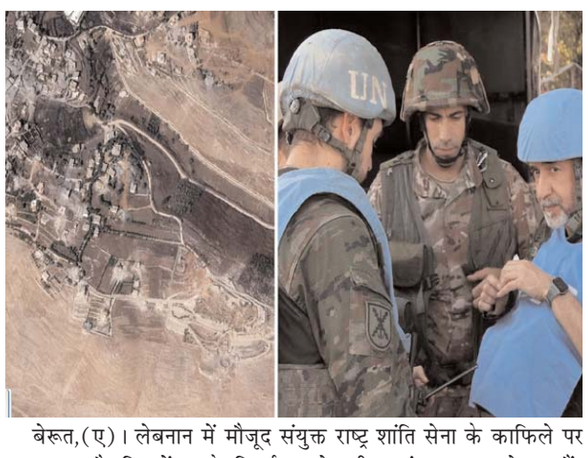

बेरूत,(ए)। लेबनान में मौजूद संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के काफिले पर हमला हुआ है, जिसमें उसके निवर्तमान डेप्युटी कमांडर घायल हो गए हैं। हमला बेरूत में हुआ जहां हिजबुल्लाह के समर्थक प्रदर्शन कर रहे थे। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) ने कहा कि काफिला शांति सैनिकों को बेरूत हवाई अड्डे पर जा रहा था, तभी उसे निशाना बनाया गया और गाड़ी में आग लगा दी गई। मिशन ने लेबनानी अधिकारियों से पूर्ण और तत्काल जांच की मांग की है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें एक सफेद यूएन वाहन को जलते हुए दिखाया गया है। इस दौरान पीले झंडे लिए हुए कुछ युवा पुरुषों का समूह भागने की कोशिश कर रहे शांति सैनिकों का पीछा करता है और उन्हें पीटता है। बयान के मुताबिक हमले में घायल डेप्युटी कमांडर अपना मिशन समाप्त करने के बाद घर लौट रहे थे। लेबनान की राजधानी में दो ईरानी विमानों के उतरने पर रोक लगाने के बाद चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह के समर्थकों ने देश के एक मात्र हवाई अड्डे की सड़क को ब्लॉक कर दिया। ईरानी विमानों पर रोक इजराइल के आरोपों के बाद लगाई गई है, जिसमें कहा गया है कि ईरान नागरिक उड़ानों के जरिए से हिजबुल्लाह को नकदी की तस्करी कर रहा है। इससे कई लेबनानी ईरान में फंसे हुए हैं। बयान में आगे कहा गया कि शांति सैनिकों पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन हैं और युद्ध अपराध के बराबर हो सकते हैं। लेबनान के आंतरिक मंत्री ने बताया कि वह हमले के मद्देनजर सुरक्षा बैठक बुलाएंगे। उन्होंने हमले को शांति सेना के खिलाफ अपराध बताया। वर्तमान में यूएनआईएफआईएल के तहत भारत के करीब 900 सैनिक इसमें तैनात हैं। ये सैनिक दुनिया के कुछ सबसे अस्थिर क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

दुनिया का सबसे कम भ्रष्ट देश डेनमार्क को घोषित किया

लंदन (ए)। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, डेनमार्क को लगातार सातवें साल दुनिया का सबसे कम भ्रष्ट देश घोषित किया गया है। हाल ही जारी रिपोर्ट में इस यूरोपीय देश ने करप्शन परसेप्शन इंडेक्स (सीपीआई) में 90 अंक हासिल कर टॉप स्थान बरकरार रखा है।इस इंडेक्स में 180 देशों को 0 से 100 के बीच अंक दिए जाते हैं, जिसमें 0 अंक अत्यधिक भ्रष्ट और 100 अंक पूर्ण रूप से ईमानदार होने का संकेत देते हैं। डेनमार्क की इस सफलता का एक बड़ा कारण वहां के नागरिकों के बीच गहरा आपसी विश्वास है। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 74 फीसदी डेनिश नागरिक मानते हैं कि दुनिया के अधिकतर लोग भरोसेमंद होते हैं। यहां लोग अनजान व्यक्तियों पर भी सहज विश्वास करते हैं। डेनमार्क में लोग घरों और दुकानों को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के छोड़ देते हैं और लेन-देन में भी लिखित अनुबंध से अधिक आपसी सहमति को महत्व देते हैं।

मस्क को लेकर महिला का बड़ा दावा, मेरे पांच महीने के बेटे के पिता हैं मस्क

सैन फ्रांसिस्को (ए)। टेक अरबपति एलन मस्क को लेकर एक चौंकाने वाला दावा हुआ है। रूढ़िवादी प्रभावशाली महिला एशले सेंट क्लेयर ने आरोप लगाया है कि उनका पांच माह का बच्चा मस्क का बेटा है। वेलेंटाइन डे की शाम को सेंट क्लेयर ने इस महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा किया। सेंट क्लेयर ने पोस्ट कर बताया कि पाँच महीने पहले, मैंने दुनिया में एक नए बच्चे का स्वागत किया। टेक कारोबारी मस्क इस बच्चे के पिता हैं। सेंट क्लेयर ने कहा कि पहले उन्होंने अपने बच्चे की गोपनीयता और सुरक्षा के कारण यह जानकारी सार्वजनिक नहीं की थी। लेकिन, यह जानकर की मीडिया उजागर करने की योजना बना रहा है, उन्होंने इस मामले को सार्वजनिक करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया, मैंने पहले अपने बच्चे की गोपनीयता और सुरक्षा की रक्षा करने के लिए इसका खुलासा नहीं किया, लेकिन अब यह स्पष्ट हो गया है कि मीडिया इस खुलासे को उजागर करने का इरादा रखता है, चाहे इससे कोई भी नुकसान हो।

सेंट क्लेयर ने एक और पोस्ट में कहा कि वह अपने समर्थकों का धन्यवाद करती हैं और कुछ समय

के लिए सोशल मीडिया से दूर रहने की योजना बना रही हैं। उन्होंने लिखा, पूरी ईमानदारी से, मैं दयालु शब्दों की सराहना करती हूँ। मुझे खेद है कि मुझे यह बयान देना पड़ा। बच्चों को पत्रकारों के लिए सीमा से बाहर रखा जाना चाहिए। अब मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊँगी और कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहूँगी। अगर यह दावा सही है, तब मस्क का 13वाँ बच्चा होगा। मस्क का परिवार पहले से ही काफी बड़ा है।

बांग्लादेश में हिंसा व अत्याचार पर ट्रंप ने कहा- पीएम मोदी निपट लेंगे

ढाका,(ए)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट के बाद से ही पड़ोसी देश में हिंसा और अत्याचार का दौर जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब बांग्लादेश के बारे में पूछा तो उन्होंने साफ कहा कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी इससे निपट लेंगे। लगता है इसके बाद भी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कहा कि वह अपदस्थ पीएम शेख हसीना को भारत से वापस लेकर ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कि हसीना को न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना ही होगा।

मुहम्मद यूनुस ने कसम खाई है कि वह अपदस्थ शेख हसीना शासन के प्रमुख लोगों को सजा से बचने की अनुमति नहीं देंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि शेख हसीना और उनके लोगों को न्याय के कठघरे में नहीं लाया गया तो देश की जनता उन्हें और उनकी सरकार को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने एक इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम शेख हसीना को न्याय के कठघरे में लाएंगे। यूनुस ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर कहा कि उन्होंने भारत को नोटिस भेजा है कि शेख हसीना को वापस भेजा जाए।

यूनुस ने यूएन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि शेख हसीना के अपराध के बारे में उनके पास पर्याप्त सबूत हैं। बता दें कि यूनुस शेख हसीना के खिलाफ कथित नरसंहार और लोगों को जबरन गायब करने के मामले में मुकदमा चलाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस बाबत उनकी सरकार ने पहले ही कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है, इसलिए उनको उम्मीद है कि कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी और हम शेख हसीना और उनके समर्थक को न्याय के कठघरे में

लाएंगे। माना जाता है कि बांग्लादेश में हिंसा के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा गोली चलाने से मारे गए लोगों में से 13 फीसद बच्चे थे। दूसरी तरफ बांग्लादेश पुलिस ने भी बताया कि उसके 44 अधिकारी मारे गए हैं।

मैक्सिको में मारा गया यूरोप का खूंखार अपराधी, पुलिस ने की पुष्टि

वाशिंगटन (ए)। यूरोप के सबसे खूंखार अपराधियों में शुमार एक ड्रग तस्कर मैक्सिको में मारा गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। मार्को एब्बन को मैक्सिको सिटी से करीब 25 किलोमीटर दूर अटिज़ापान डी ज़ारागोसा के एक शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रवर्तन अधिकारियों ने एब्बन की पहचान की पुष्टि की। पुलिस के अनुसार ने एब्बन को यूरोप के सबसे वांछित भगौड़ों में सूचीबद्ध किया था। वहां ब्राजील से नीदरलैंड्स में ड्रग्स की तस्करी में शामिल था। 2014 और 2015 के बीच एब्बन और उसके साथियों ने 400 किलो कोकीन को अनानास के कंटेनरों में छिपाकर तस्करी करने का आरोप है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने ने पिछले अक्टूबर में कूलियाकान में अपनी मौत का ढोंग किया था। यह मैक्सिको के सिनालोआ कार्टेल का गढ़ है और वहां दो कार्टेल गुटों के बीच संघर्ष चल रहा था। मीडिया के अनुसार, एब्बन को एक गुट से जुड़े होने का आरोप था, लेकिन उस समय उसकी मौत का कोई सबूत नहीं मिला था। केवल एक कथित प्रेमिका का बयान था जिसने शव की पहचान की थी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जर्मनी के म्यूनिख में द्विपक्षीय बैठक के दौरान नॉर्वे के वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग से मुलाकात की।

घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए निरंतर की जा रही है छापामार कार्रवाई

कार्रवाई में जब्त किए गए 05 घरेलू गैस सिलेंडर

सीहोर, (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों, होटलों एवं प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यवसाय के लिए उपयोग करने वाली दुकानों एवं संस्थानों की जांच कर उपयोग किए जा रहे घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए जा रहे हैं एवं कार्रवाई की जा रही है। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश चंदेल ने बताया कि जांच के दौरान कुबेरेश्वर धाम स्थित 04 दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर कार्रवाई करते हुए 05 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। यह कार्रवाई कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश चंदेल एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा की गई।

विधायक नपाध्यक्ष करेंगे सेवानिवृत फोजियों का सम्मान

शिवाजी जयंती पर पीजी कॉलेज में होगा भव्य कार्यक्रम

सीहोर (निप्र)। छत्रपति शिवाजी जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री एक्सीलेंस ऑफ चन्द्रशेखर आजाद कॉलेज के सभागार में वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय के सरंक्षण में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सुदेश राय,विशिष्ठ अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर, विशेष अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा सम्मिलित होंगे। नेशनल मीडिया फाउंडेशन जिला ईकाई महामंत्री नरेश मेवाड़ा ने बताया की छत्रपति शिवाजी जयंती के उपलक्ष्य में 19 फरवरी बुधवार सुबह 11 बजे पीजी कालेज सभागार में अतिथियों के द्वारा माता सरस्वती और वीर शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेशनल मीडिया फाउंडेशन जिला अध्यक्ष राजेंद्र नागर के द्वारा की जाएगी। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस ऑफ चन्द्रशेखर आजाद कॉलेज प्रधानमंत्री एक्सीलेंस ऑफ चन्द्रशेखर आजाद कॉलेज के प्राचार्य रोहिताश्व कुमार शर्मा की विशेष उपस्थिति में संगीतिका महाविघालय के प्राचार्य मांगीलाल ठाकुर के मार्गदर्शन में छात्र छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना और देश भक्तिगीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। तत्पश्चात नेशनल मीडिया फाउंडेशन के द्वारा नागरिकों के हित में विकास कार्यो की गंगा बहाने वाले विधायक सुदेश राय और नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर का सम्मान किया जाएगा। छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर व्याख्यान माला के बाद अतिथियों के द्वारा भारतीय सेना के सेवानिवृत जवानों और उत्कुष्ट पत्रकारिता के लिए युवा पत्रकारों का स्मृति चिंह भेंटकर आत्मीयता के साथ सम्मान किया जाएगा और कार्यक्रम के अंत में संगीतिका महाविधालय के छात्र छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

कराटे कलर बेल्ट प्रतियोगिता का आयोजन,75 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, 55 को पुरस्कृत किया गया

सीहोर (निप्र)। मास्टर ऑफ ताओ कराटे एसोसिएशन के तत्वाधान में शहर के इंदौर नाका स्थित कराटे कोचिंग सेंटर में कराटे कलर बेल्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 75 से अधिक बच्चों ने भाग किया। इसमें 55 बच्चे सफल रहे। जिन्हें पुरस्कृत किया गया। शनिवार को आयोजित कराटे प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद आवासीय खेलकूद संस्था के प्राचार्य आलोक शर्मा एसोसिएशन के कोच लखन ठाकुर, श्रीमती विमला ठाकुर, जिला संस्कार मंच के संयोजक मनोज दीक्षित मामा, जिला उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र माहेश्वरी, राहुल माहेश्वरी, सोनू शर्मा, जिमांशु शर्मा, त्रयंबक ठाकुर, पायल बागवान माइंडस आई इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्य मनीषा यादव आदि शामिल थे। जिन्होंने कलर बेल्ट के साथ प्रमाण-पत्र का वितरण किया।

एसोसिएशन के कोच प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि यह प्रतियोगिता मुख्य प्रशिक्षक कराटे मास्टर कोच लखन ठाकुर के नेतृत्व में कराई गई। वहीं, विमला ठाकुर और त्रयंबक ठाकुर ने जज की भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता में सीहोर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के तत्वाधान में खिलाड़ियों को मंच देने के लिए बेल्ट परीक्षा का आयोजन किया जाता है। प्रतियोगिता में कलर बेल्ट हासिल करने में सबसे अधिक कराटे खिलाड़ी शहर के अलावा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र के रहे। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि प्राचार्य श्री शर्मा ने खिलाड़ियों को मूल मंत्र देते हुए कहा कि कराटे में बेल्ट उन कुशल छात्रों को दी जाती है जो अपनी कड़ी मेहनत के अंतिम उद्देश्य को समझ रहे हैं और ब्लैक बेल्ट पाने के लिए तैयार हैं। कराटे में आत्म-अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण, और नेतृत्व को बढ़ावा दिया जाता है।

पंजीयन कार्यालय 15 एवं 22 फरवरी को खुले रहेगें

सीहोर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार जनसामान्य को दस्तावेजों के पंजीयन कार्य में अधिक सुविधा देने के लिये 15 एवं 22 फरवरी शनिवार को जिला पंजीयक एवं समस्त उप पंजीयक कार्यालय, पंजीयन एवं शासकीय कार्य के लिए खोले जाने के निर्देश दिये गये है। जिला पंजीयक कीर्ति असाटी ने बताया कि यह जनसामान्य को पंजीयन कार्य में अधिक समय और सुविधा के लिये 15 एवं 22 फरवरी शनिवार को जिला पंजीयक एवं समस्त उप पंजीयक कार्यालय, खुले रहेगें। जनसामान्य इन आवकाश के दिनों में अपना पंजीयन कार्य करा सकते है।

अद्भुत ऐतिहासिक होगा शहर के लिए विराट गायत्री शक्तिपीठ महायज्ञ : राठौर

बहनों भाइयों की टोलिया के लिए किया जा रहा है मोहल्लों और गांवों में प्रचार

सीहोर (निप्र)। शहर के माधव आश्रम में होने वाले विराट 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ के प्रचार प्रसार और व्यवस्थाओं को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। गायत्री शक्तिपीठ परिसर में आयोजित बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर सम्मिलित हुए। बैठक के दौरान गायत्री परिवार के युवा संयोजक मनोहर दांगी के द्वारा विराट 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ के प्रचार प्रसार और व्यवस्थाओं की तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। नगर पालिका अध्यक्ष विकास प्रिंस राठौर ने कहा की अप्रेल माह में शहर में होने वाला विराट 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ अदभुत और ऐतिहासिक होगा। चार दिवसीय कार्यक्रम के लिए सभी जरूरी व्यस्थाऐं नगर पालिका के द्वारा कराई जाएगी। नपाध्यक्ष राठौर ने कहा की बाहर से आने वाले अतिथि हमारे लिए महत्वपूर्ण होगे। नपा के द्वारा बिजली पानी साफ सफाई के इंतजाम कराए जाएंगे।

आयोजन समिति सह प्रभारी विमल तेजराज ने बताया की गायत्री महायज्ञ की सफलता के लिए 108 गांवों के भ्रमण के लिए तीन टोली भाइयों बहनों की बनाई गई है। गावों और शहर के मोहल्लों में कार्यकर्ताओं के साथ सकल हिन्दू समाज की बैठके ली जा रही है। बहनों की टोलियां मोहल्ले मोहल्ले जाकर दीप महायज्ञ का निमंत्रण दे रही है। इसी प्रकार आयोजन को लेकर ग्राम सेमरा दांगी, धामंदा, आमाझर, मोगाराम गुडभेला में गायत्री परिजनोओं के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में प्रमुख रूप से गायत्री परिवार उपजोन प्रभारी रघुनाथ प्रसाद हजारी अखिल भारतीय दांगी समाज के अध्यक्ष बाबूलाल पटेल सचिव भीकम सिंह,पाटीदार समाज प्रदेश महामंत्री नंदकिशोर पाटीदार जनपद सदस्य संध्या बलवान सिंह दांगी,कुबेर सिंह दांगी, हीरालाल वर्मा, ओमप्रकाश दांगी, जीवन दांगी, अजितेश दांगी, महेश विजयवर्गी, भगवत प्रसाद मल्होत्रा,शंकर लाल, शिवराज वर्मा,आरके सिंह, प्रहलाद वर्मा, नाथूराम वर्मा, रमाकांत शर्मा,द्वारका वर्मा,रमेश चंद्र सागबलिया,कैलाश चंद्र आदि उपस्थित रहे।

खेतों में नरवाई जलाने पर होगी कार्रवाई

सैटेलाईट से की जा रही है नरवाई जलाने की मॉनिटरिंग

सीहोर (निप्र)। पर्यावरण सुरक्षा को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल के निर्देशों के अंतर्गत प्रदेश में फसलों विशेषत: धान एवं गेंहूँ की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में जारी निर्देशों के उल्लंघन किये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कही कि पर्यावरण विभाग द्वारा नरवाई में आग लगाने के विरूद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि दण्ड का प्रावधान निर्धारित किया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आवश्यक व्यवस्था बनाकर बेहतर पर्यावरण जन स्वास्थ्य एवं जीव-जन्तुओं की जीवन सुरक्षा प्राथमिकता से करना सुनिश्चित करें। ऐसा कोई व्यक्ति/निकाय/ कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 2500 रुपये, 2 से 5 एकड़ तक की भूमि है तो 5 हजार रुपये और 5 एकड़ से अधिक भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 15 हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा।

अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना

उद्योग विनिर्माण इकाई के लिए 50.00 लाख तक की परियोजाएं

सीहोर (निप्र)। संत रविदास स्वरोजगार योजना केवल अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए संचालित की जा रही है। योजना नवीन उदयमा की स्थापना के लिए देय होगा। योजना में आवेदको को अर्हता एवं वित्तीय सहायता संबंधित प्रावधान होगें।

परियोजना सीमा

उद्योग (विनिर्माण Manufacturing) इकाई के लिए राशि रू0 1.00 लाख से 50.00 लाख तक की परियोजाएं के लिए और सेवा (सर्विस) इकाई एवं खुदरा व्यवसाय (रिटेल ट्रेड) के लिए रू. 1.00 लाख से 25.00 लाख तक की परियोजाए संचालित है।

पात्रता

योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का सदस्य हो, तथा जिले का मूल निवासी हो एवं आयु 18 से 45 वर्ष तक। शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वी कक्षा उत्तीर्ण, आय सीमा परिवार की वार्षिक आय रूपये 12.00 लाख से अधिक न हो। परिवार से आशय आवेदक के अविवाहित होने पर आवेदक स्वय एवं उसके माता पिता से है, जिन पर वह आश्रित है, अथवा आवेदक के विवाहित होने पर पति/पत्नि एवं आश्रित बच्चों (आश्रित एवं अविवाहित बच्चों की उम्र का कोई बंधन नही) से है। आवेदक स्वंय किसी बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था से डिफाल्टर न हो, आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र शासन की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो।

वित्तीय सहायता

योजनांतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को ब्याज अनुदान बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जावेगा। ग्यारंटी फीस: मध्यप्रदेश शासन द्वारा ग्यारंटी फीस देय होगी। प्रशिक्षण: योजनांतर्गत प्रशिक्षण के इच्छुक हितग्राही 12 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण ऑनलाईन ट्रेनिंग मोडयूल के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे। पात्र परियोजनायें :- उद्योग (विनिर्माण), सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र की समस्त परियोजनाए जो सीजीटीएमएसई अंतर्गत बैंक ऋण गारंटी के लिए पात्र हैं।

योजनाओं का क्रियान्वयन

विभाग द्वारा शासकीय योजनाओं के लिए निर्माणाधीन (www.samast.mp.gov.in) Portal के माध्यम आवेदन किया जावेगा। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिये कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकरी विकास समिति कलेक्ट्रेट कार्यालय कमरा नं. 121 एंव 122 में कार्यालयीन समय में सम्पर्क किया जा सकता है। योजनाऐ अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदकों के लिऐ है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय पर कलेक्ट्रेड भवन कक्ष क्रमांक 122 में सम्पर्क कर सकते है।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना किसानों के लिए वरदान

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना किसानों के लिए वरदान है। यह योजना किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति वर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। साथ ही कृषकों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से भी 6 हजार रूपये प्रति वर्ष की सहायता मिल रही है। इस प्रकार किसानों को साल में 12 हजार रुपए प्राप्त हो रहे हैं। यह योजना न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि उन्हें खेती के लिए प्रोत्साहित कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ग्रीष्मकालीन कद्दूवर्गीय सब्जियों की पौध की तैयारी व बुवाई का यह उपयुक्त समय

सीहोर (निप्र)। ग्रीष्मकालीन सब्जियों लौकी, कद्दू, करेला, तोरई, खीरा, टिण्डा की बुवाई का उपयुक्त समय है। बुवाई मध्य फरवरी से मध्य मार्च तक कर सकते हैं। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार उन्नत किस्में लौकी - पूसा नवीन, पूसा संदेश, अर्का वहार, पूसा समृद्धि, पूसा संतुष्टि। कद्दू पूसा विश्वास. पूसा विकास । करेला- पूसा विशेष, पूसा दो मौसमी। तोरई- पूसा सुप्रिया, पूसा चिकनी, पूसा नूतन, पूसा नसदार। खीरा - पूसा संयोग, पूसा बरखा, पूसा उड़द। टिण्डा - पंजाब टिण्डा, अर्का टिण्डा।कृषि वैज्ञानिक के अनुसार उपयुक्त भूमि, तैयारी व बुवाई कद्दूवर्गीय के लिए बलुई दोमट मिट्टी जिसका पीएच मान 6 से 7.5 के मध्य हो उपयुक्त होती है। मृदा जांच रिपोर्ट के आधार पर गोबर की खाद या कम्पोस्ट अथवा रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करें। बुवाई के लिए नालियां या जमीन से उठी हुई क्यारियां तैयार कर लें। खेत में नालियां लगभग 40-50 सेमी चौड़ी तथा 30-40 सेमी गहरी बनाएं। दो कतारों में 2 से 4 मीटर की दूरी रखें। बीज दर व उपचार बीज दर खीरा की 2 से 2.5 किग्रा, लौकी की 4 से 5, करेला की 5 से 6, तोरई की 4.5 से 5, कद्दू की 3 से 4, टिण्डा की 5 से 6, तरबूज की 4 से 4.5 और खरबूज की बीज दर 2.5 किग्रा रखें। रोपाई से पूर्व सब्जियों के बीजों को फफूंदनाशक दवा काबेंडाजिम + मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करें।कृषि वैज्ञानिक के अनुसार खाद-उर्वरक व सिंचाई... ज्यादातर बेल वाली सब्जियों में खेत की तैयारी के समय 15 से 20 टन प्रति हैक्टेयर अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। नत्रजन 80 किग्रा, फॉस्फोरस 50 किग्रा, पोटाश 50 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से उपयोग करें। ग्रीष्मकालीन भिण्डी बुवाई फरवरी से मार्चतक करें। उन्नत किस्म परभनी क्रांति, अर्का अभय, वीआरओ-5, वीआरओ-6, अर्का अनामिका का चयन करें। पीला मोजेक रोग से बचाव के लिए बीज को बुवाई से पूर्व थायोमिथाक्जाम 30 एफएस मात्रा 10 मिली या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफएस मात्रा 1.25 मिली प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। बुवाई के लिए बीज दर 20 से 22 किग्रा रखें एवं कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौध से पौध की दूरी 15 से 20 सेमी एवं बीज की गहराई 2 से 3 सेमी से अधिक न रखें।

जिले में एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा की सभी तैयारियां पूर्ण

एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में जिले के 1106 परीक्षार्थी होंगे शामिल

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 सीहोर जिला मुख्यालय के 03 परीक्षा केंद्रों पर 16 फरवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जायेगी। यह परीक्षा के सीहोर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में जिले के 1106 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा संबंधी जानकारी के लिए कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 15 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नंबर 07562-226856 है। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार परीक्षा केंद्रों की सतत मॉनिटरिंग के लिए निरीक्षण दल का गठित किया गया है। यह दल परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों का निरंतर भ्रमण कर निरीक्षण करेंगे। डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुशवाह ने बताया कि प्रथम पाली में प्रात: 10:00 बजे से 12:00 बजे तक परीक्षा होगी। जिसमें परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर 09:30 बजे तक उपस्थित होना आवश्यक है। इसी प्रकार द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 02:15 से 04:15 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र पर उपस्थिती का समय 01:45 निर्धारित किया गया है। परीक्षा से सबंधित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है तथा सम्पूर्ण परीक्षा की निगरानी के लिए मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सेवा निवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक आनंद बिहारी गुप्ता को संभागीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

परीक्षण के लिए लगाई गई सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी

कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार आयोजित होने वाली एमपीपीएससी परीक्षा के परीक्षण के लिए जिले के 03 परीक्षा केंद्रों के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेशानुसार परीक्षा केंद्र प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एवं शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के लिए प्रभारी तहसीलदार भरत नायक की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार परीक्षा केंद्र महारानी लक्ष्मीबाई गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए प्रभारी तहसीलदार श्री पंकज पवैया की सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में ड्यूटी लगाई गई है।

सीहोर क्लब ने सीहोर ग्रीन को 2-1 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में जारी सीहोर ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में शनिवार को कांटे का मुकाबला खेला गया, इस मुकाबले में सीहोर ग्रीन ने सीहोर क्लब को 2-1 से हराया। इसमें सीहोर ग्रीन की ओर से दामिनी ने 2 गोल किए थे। वहीं सीहोर क्लब की ओर से एक मात्र गोल दिशा ने किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया ने बताया कि शनिवार की शाम को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में सीहोर क्लब की टीम मैच के अंतिम समय तक 1-0 की बढ़त बनाए हुए थी, लेकिन ग्रीन स्ट्राइकर दामिनी ने लगातार 2 गोल कर अपनी टीम को 2-1 से विजय दिलाई। इस मैच में सीहोर क्लब की दिशा ने मैच के 15 मिनिट पर गोल कर बढ़त हासिल की थी।

पीएम आवास योजना के तहत हितग्राही सम्मेलन आयोजित

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जिले को मिला है 24,388 आवासों का नवीन लक्ष्य

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन कि निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत जिले को प्राप्त लक्ष्य को जल्द पूरा करने के लिए क्लस्टर लेवल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया जा रह है। ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जा सके तथा आवासों का निर्माण समय सीमा में हो सके। सम्मेलन में मकान का नक्शा लेआउट सहित चरण दर चरण निर्माण की पूरी जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में इछावर जनपद की दिवाड़िया कलस्टर में 10 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें 535 हितग्राही शामिल हुए।

इछावर जनपद सीईओ श्रीमती शिवानी मिश्रा बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सीहोर जिले को 24,388 आवासों का नवीन लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य के तहत सीहोर जिले में नवाचार कर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों के लिए जिले के प्रत्येक कलस्टर में हितग्राही सम्मेलन आयोजित किये जायेंगें। आयोजित हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों एवं आमजनों को आवास योजना के बारे विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनपद सीईओ ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत प्रथम किस्त में प्लिंथ निर्माण के लिए 25,000 रूपये, दूसरी किस्त में दीवार चुनाई के लिए 40,000 रूपये, तीसरी किस्त में छत निर्माण के लिए 40,000 रूपये, चौथी किस्त में मनरेगा एवं मजदूरी भुगतान के लिए 35,000 रूपये की राशि प्रदान की जाती है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com